आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 11 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 219
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

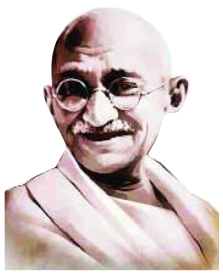

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

भूमिगत ट्रैक पर जल्द दौड़ेगी मेट्रो

पेज-2

प्रियदर्शन की अगली फिल्म में अक्षय कुमार नजर आयेंगे

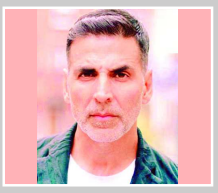

पेज-5

फर्जी नामांतरण घोटाले से जुड़ी रजिस्ट्रियों पर लगेगी रोक

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- अयोध्या : निर्मोही अखाड़े में बंद कमरे में हुई बड़ी बैठक, राम मंदिर ट्रस्ट के मुद्दों पर हुई बात
- बद्रीनाथ मंदिर दान चोरी मामले में नया मोड़ : निलंबित कर्मचारी पहुंचा हाईकोर्ट, दी चुनौती
- 'हजारों मिसाइलें ईरान की तरफ तैनात', ट्रंप ने फिर दी धमकी
- पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बढ़ा सस्पेंस : चन्नी और भूपेश बघेल की आज पहली बैठक
- पीएम मोदी की मौजूदगी में भारत और न्यूजीलैंड ने कई समझौता-ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया
- रॉबर्ट वाड्रा के हरियाणा लैंड डील मामले में ED ने सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट सौंपी
- मोनाको डायमंड लीग : पूर्व ओलंपिक हाई जंप चैंपियन को हराकर सर्वेश कुशारे ने किया तीसरा स्थान हासिल
- छत्तीसगढ़ में रायगढ़ में हाथियों के हमले में महिला समेत दो की मौत
- ग्रेटर नोएडा : इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल
- तेलंगाना में एक व्यक्ति ने पत्नी और दो बच्चों सहित छह लोगों की हत्या की

दतिया के बहाने दिल्ली का संदेश भाजपा में 'चेहरा' नहीं संगठन चलेगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दिल्ली से मिले फीडबैक, सत्ता-संगठन के संतुलन और चुनावी रणनीति को देखते हुए पार्टी ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटते हुए पूर्व संगठन मंत्री आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया।

ऐसे कटा टिकट : यह घोषणा होते ही मध्यप्रदेश भाजपा में घमासान मच गया। पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थक इस फैसले से खासे नाराज हैं। समर्थकों का कहना है कि आशुतोष का टिकट काटकर नरोत्तम को उम्मीदवार बनाया जाए। ऐसा क्या हुआ जो आशुतोष की झोली में टिकट आ गया और नरोत्तम हाथ मलते रह गए। इस पूरे मामले की भीतरी कहानी काफी दिलचस्प है। मिली पुख्ता जानकारी के मुताबिक शुरुआत में दिल्ली हाईकमान के पास सिर्फ नरोत्तम मिश्रा का ही नाम भेजा गया था। प्रदेश संगठन भी उनके नाम पर पूरी तरह सहमत था। एक-दो दिन में ही अचानक स्थिति बदलने लगी। प्रदेश संगठन को दिल्ली से एक फोन आया। इसमें कहा गया कि दतिया सीट के लिए एक-दो नाम और भेजे जाएं। इस एक फोन कॉल ने पूरा राजनीतिक समीकरण बदल दिया।

सीएम से मुलाकात के बाद सिंगल नाम गया

6 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के बाद प्रदेश भाजपा ने दतिया सीट के लिए केंद्रीय नेतृत्व को डॉ. नरोत्तम मिश्रा का सिंगल नाम भेजा था। इसके बाद दिल्ली में कराए गए फीडबैक में नरोत्तम की स्थिति उतनी मजबूत नहीं मिली। उनके बेटे सुकर्ण मिश्रा को लेकर भी आंतरिक रिपोर्ट मंगाई गई, जिसमें माहौल पक्ष में नहीं बताया गया। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व ने जीत की संभावना को देखते हुए आशुतोष तिवारी के नाम पर मुहर लगा दी।

जीतते तो एमपी में नया पावर सेंटर बन जाते

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक नरोत्तम मिश्रा शिवराज सरकार में नंबर-2 की भूमिका वाले नेताओं में रहे हैं। यदि वे उपचुनाव जीतते तो उन्हें फिर मंत्री बनाए जाने और अहम विभाग मिलने की चर्चा तेज हो जाती। इससे प्रदेश सरकार और संगठन में एक नया पावर सेंटर खड़ा हो सकता था। इसे भी टिकट बदलने के बड़े कारणों में माना जा रहा है।

दिग्गज नेताओं के बीच संतुलन भी वजह

मौजूदा सरकार में कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जैसे प्रभावशाली नेता पहले से मौजूद हैं। वहीं शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीडी शर्मा भी प्रदेश की राजनीति में प्रभाव रखते हैं। ऐसे में पार्टी किसी नए शक्ति केंद्र के उभरने का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। माना जा रहा है कि आलाकमान ने इसी संतुलन को ध्यान में रखते हुए आशुतोष तिवारी को मौका दिया।

शाह के करीबी होने के बावजूद नहीं मिला टिकट

नरोत्तम मिश्रा को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। वे कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी के रणनीतिकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। इसके बावजूद उनका टिकट कटना भाजपा के भीतर बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

ब्राह्मण वोट बैंक साधने के लिए आशुतोष पर दांव

भाजपा ने नरोत्तम की जगह भी ब्राह्मण चेहरे पर ही भरोसा जताया। दतिया में 30 हजार से ज्यादा ब्राह्मण और लगभग इतनी ही संख्या में जाटव मतदाता हैं। भाजपा के परंपरागत वोट बैंक में ब्राह्मण और कुशवाह समाज की अहम भूमिका मानी जाती है। ऐसे में पार्टी ने संघ की पृष्ठभूमि वाले स्थानीय ब्राह्मण नेता आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया।

सीएम और प्रदेश अध्यक्ष की प्रतिष्ठा भी दांव पर

यदि नरोत्तम उम्मीदवार होते तो चुनावी प्रबंधन का बड़ा हिस्सा उनके भरोसे रहता। अब उम्मीदवार बदलने के बाद पूरी रणनीति नए सिरे से बनानी होगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के कार्यकाल का यह पहला उपचुनाव है, जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लिए भी यह प्रतिष्ठा का चुनाव माना जा रहा है। ऐसे में आशुतोष तिवारी की जीत सरकार और संगठन, दोनों के लिए अहम होगी।

नहीं बदलेगा उम्मीदवार

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह घटनाक्रम काफी नाटकीय रहा है। सूत्रों के मुताबिक अब आशुतोष तिवारी का टिकट बदले जाने की संभावना बेहद कम है। पार्टी हाईकमान अपने फैसले पर कायम रहने के संकेत दे रहा है। हालांकि नरोत्तम समर्थकों का विरोध अभी थमा नहीं है। दतिया सीट पर उपचुनाव से पहले यह आंतरिक कलह भाजपा की चुनावी रणनीति को प्रभावित कर सकती है। पूरी ताकत से लड़ेगी भाजपा। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ नेता स्वयं आशुतोष तिवारी जी का फॉर्म भरवाने के लिए रहेंगे मौजूद।

शिशुकुंज फूड पॉइजनिंग

9 करोड़ की लैब, फिर भी सैकड़ों नमूनों की जांच लंबित

■ इंदौर में लैब फिर भी भोपाल पर निर्भर

■ डेयरी उत्पादों पर टिकी जांच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जनवरी से अब तक इंदौर से विभिन्न स्कूलों, होटलों और प्रतिष्ठानों से लिए गए सैकड़ों खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट भोपाल स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला में लंबित है। इनमें शिशुकुंज स्कूल के सैंपल भी शामिल हैं। रिपोर्ट में हो रही देरी के कारण कई मामलों में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है।

रिपोर्ट नहीं तो कार्रवाई कैसे?

खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार सैंपलिंग और जांच अभियान चलाने का दावा करता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि लैब रिपोर्ट के बिना मिलावट या खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को कानूनी रूप से साबित करना संभव नहीं होता। ऐसे में दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई अधूरी रह जाती है और जांच लंबी खिंचती रहती है।

9 करोड़ की नई लैब भी नहीं आई काम-पिछले वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के तलावली चांदा में करीब 9 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक फूड टेस्टिंग लैब का लोकार्पण किया था। इसका उद्देश्य इंदौर और आसपास के जिलों के खाद्य नमूनों की जांच स्थानीय स्तर पर कर जल्द रिपोर्ट उपलब्ध कराना था। हालांकि, लैब को अब तक एनएबीएल प्रमाणन नहीं मिल सका है, जिसके कारण वहां नियमित जांच शुरू नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप आज भी इंदौर के खाद्य नमूने जांच के लिए भोपाल भेजे जा रहे हैं, जिससे रिपोर्ट आने में लंबा समय लग रहा है।

यूजीसी का आदेश : अब कुत्ते भगाएंगे कॉलेज प्राचार्य

■ कैंपस में आवारा कुत्तों को रोकने नोडल अधिकारी नियुक्त करने के तुगलकी आदेश से प्रोफेसरों में नाराजगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कॉलेजों में अब प्राचार्य सिर्फ पढ़ाई और प्रशासनिक काम ही नहीं देखेंगे, बल्कि कैंपस में आवारा कुत्तों की निगरानी की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए आदेश के बाद उच्च शिक्षण संस्थानों में यह चर्चा का विषय बन गया है। यूजीसी ने देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि परिसर में आवारा कुत्तों की रोकथाम के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं और इसकी जानकारी आयोग को भेजी जाए।

निर्देशों के अनुसार प्रत्येक संस्थान को नोडल अधिकारी का नाम मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित करना होगा। साथ ही संबंधित नगर निकाय और प्राधिकरण को भी इसकी सूचना देनी होगी। स्टेडियम और खेल परिसरों में आवारा कुत्तों की आवाजाही रोकने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था करने को भी कहा गया है। आदेश को लेकर प्राध्यापक वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। उनका कहना है कि पहले से ही शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का दबाव है, ऐसे में कुत्तों की निगरानी जैसी जिम्मेदारी देना व्यावहारिक नहीं है। उनका तर्क है कि यह काम नगर निगम या स्थानीय प्रशासन की एजेंसियों को करना चाहिए।

उच्च शिक्षा विभाग के ओएसडी डॉ. राकेश श्रीवास्तव का कहना है कि प्राचार्य स्वयं कुत्ते नहीं भगाएंगे, बल्कि नोडल अधिकारी के रूप में व्यवस्था की निगरानी करेंगे। उपलब्ध संसाधनों और स्टाफ की मदद से कैंपस में सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

यूजीसी ने छात्रों और कर्मचारियों को कुत्तों से बचाव, प्राथमिक उपचार और रिपोर्टिंग प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए हैं।

सरकारी कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया आचार संहिता लागू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने लाखों सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया को लेकर सख्त आचार संहिता लागू कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के नए आदेश के अनुसार अब कोई भी शासकीय सेवक फेसबुक, एक्स, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मनमाने तरीके से पोस्ट, लाइक, शेयर या विवादित सामग्री पर टिप्पणी नहीं कर सकेगा। जाति, धर्म, राजनीति या सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाली किसी भी पोस्ट से पूरी तरह दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर होने वाली बहस और विवादित चर्चाओं में शामिल होने से भी मना किया गया है। इसके अलावा किसी भी राजनीतिक दल या नेता के समर्थन अथवा विरोध में प्रचार-प्रसार करना भी प्रतिबंधित रहेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने पर 'मध्य प्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965' के तहत विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

एमटीएच अस्पताल में प्रसूताओं के भोजन के तीन करोड़ रुपए अटके

■ बड़ी राशि लंबित रहने से खजराना गणेश मंदिर प्रबंधन समिति पर बढ़ा आर्थिक दबाव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमजीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़े एमटीएच अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं को भोजन उपलब्ध कराने वाली खजराना गणेश मंदिर प्रबंधन समिति के करीब 3 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं। भुगतान में देरी के बावजूद समिति मंदिर के चढ़ावे की राशि से भोजन व्यवस्था संचालित कर रही है। समिति के अध्यक्ष संजीव द्विवेदी ने बताया कि भोजन व्यवस्था के लिए मंदिर को कोई अलग अनुदान प्राप्त नहीं होता। मरीजों को दिए जाने वाले भोजन का खर्च श्रद्धालुओं के चढ़ावे से पूरा किया जाता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बड़ी राशि लंबित रहने से आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। इस संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रशासन और चिकित्सा शिक्षा विभाग को कई बार अवगत कराया जा चुका है। हाल ही में मेडिकल कॉलेज प्रशासन को पत्र लिखकर चार साल से अधिक समय का बकाया भुगतान जल्द देने की मांग की गई है।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत एमवाय अस्पताल, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, कैंसर अस्पताल, एमआरटीबी अस्पताल और एमटीएच अस्पताल सहित कई बड़े शासकीय अस्पताल संचालित हैं। स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई हॉस्पिटल सहित अन्य अस्पतालों में भोजन की आपूर्ति खजराना गणेश मंदिर की रसोई से की जाती है।

द्विवेदी के अनुसार एमजीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में प्रतिदिन करीब 1500 से 1600 मरीजों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इनमें एमटीएच में भर्ती प्रसूताएं भी शामिल हैं। यह व्यवस्था वर्ष 2019 से संचालित है। वर्तमान में सरकार की ओर से सामान्य मरीज के भोजन के लिए 48 रुपये प्रति मरीज प्रतिदिन की दर निर्धारित है।

नगर निगम ने शहर के कॉलोनाइजर और बिल्डरों को दिया झटका

कॉलोनी के भूखंडों पर भी अब लगेगा आश्रय एवं विकास शुल्क

निगम के राजस्व में वृद्धि के लिए की जा रही कवायद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम द्वारा कॉलोनाइजर और बिल्डरों को झटका देते हुए आदेश जारी कर दिया है, जिसमें विकसित कॉलोनी के भूखंडों पर भी आश्रय एवं विकास शुल्क देना अनिवार्य किया गया है। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल के द्वारा शासन के नियमों के अनुसार ईडब्ल्यूएसएलआईजी आवासों तथा निगम के राजस्व में वृद्धि के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आश्रय शुल्क एवं विकास शुल्क प्राप्त किए जाने के लिए 30 जून को आदेश जारी किया गया है। जिसके अनुसार यदि पूर्व से विकसित कॉलोनी के भूखंडों पर यदि कोई कॉलोनाइजर/भू-स्वामी जो विक्रय अथवा अन्य अंतरण के आशय से आवासीय या गैर आवासीय प्रयोजन के लिए प्रकोष्ठ/अपार्टमेंट्स / बहु इकाई का निर्माण किया जा रहा है तो ऐसे भवनों को शासन द्वारा ऐसे प्रकरणों में कॉलोनाइजरों/ बिल्डर्स द्वारा जमा किए जाने वाले अनुमति शुल्क एवं आश्रय व विकास शुल्क में प्राप्त राजस्व का लाभ गरीब जनता को होगा, जिसका उपयोग गरीबों के आवास एवं विकास के लिए किया जाएगा।

अंतर की राशि जमा कराएंगे

उपरोक्त निर्धारित प्रावधानों एवं प्राप्त विधिक अभिमत के आधार भवन अनुज्ञा शाखा एवं कॉलोनी सेल के आयुक्त ने आदेश दिया है कि नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत ऐसे समस्त अपार्टमेंट्स /बहु-इकाई/ग्रुप हाउसिंग प्रकरण (आवासीय /गैर आवासीय : जिनका निर्माण पूर्व विकसित कॉलोनियों के भूखण्ड पर विक्रय अथवा अन्यथा अंतरित करने के आशय के लिए किया जा रहा है, उन्हें अधिनियम की धारा 5 (10-ख) अनुसार कॉलोनी माना जाएगा। ऐसे सभी प्रकरणों में मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 292.ख तथा मप्र नगर पालिक (कॉलोनी विकास) नियम 2021 के अनुसार कॉलोनी विकास अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। संबंधित कॉलोनाइजर से नियमानुसार विकास अनुमति शुल्क एवं आश्रय शुल्क आदि प्राप्त की जाएगी। उपरोक्त नियम लागू होने के पश्चात् जारी भवन अनुज्ञाओं का परीक्षण कर नियमों का पालन करवाते हुये शुल्कों के लिए जमा राशि में अंतर पाये जाने की स्थिति में संबंधित कॉलोनाइजर से अंतर की राशि जमा कराई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

होमगार्ड विभाग द्वारा कैविएट दायर संबंधी सूचना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● होमगार्ड विभाग मध्यप्रदेश द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति नीति-2025 के तहत की जा रही पदोन्नति प्रक्रिया के संबंध में एक आम सूचना जारी की गई है। डायरेक्टर जनरल होमगार्डस् के आदेशानुसार डिवीजनल कमाण्डेंट होमगार्ड इंदौर द्वारा जारी सूचना अनुसार यह संभावना व्यक्त की गई है कि अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पदोन्नति के विरूद्ध उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में याचिका दायर की जा सकती हैं। अत: वे याचिका प्रस्तुत करने से पूर्व उसकी एक प्रति डायरेक्टर जनरल, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा, मुख्यालय, मध्यप्रदेश, सिविल लाइन्स, जबलपुर-482001 को सुनवाई की निर्धारित तिथि से पूर्व उपलब्ध कराएं।

बादाम के साथ अपनी त्वचा को बेहतर बनाए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, इस वर्ष की थीम 'बेहतर जानकारी, बेहतर त्वचा स्वास्थ्य' त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने वाले कारकों को समझने के महत्व पर प्रकाश डालती है।आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, जिसमें कैलिफ़ोर्निया बादाम, साबुत अनाज, पौधों और पशु स्त्रोतों से मिलने वाला प्रोटीन जैसे त्वचा के लिए लाभकारी खाद्य पदार्थ शामिल हों, और साथ में सक्रिय जीवनशैली अपनाई जाए, तो यह स्वस्थ त्वचा और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में योगदान दे सकता है।

वजन को प्रभावी ढंग से नियंत्रित रखने के लिए स्मार्ट फूड विकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डाइट कल्चर और स्वास्थ्य से जुड़ी विरोधाभासी सलाहों के बीच वजन का प्रबंधन अक्सर एक ऐसा सफर बन जाता है, जिसमें लोगों को बार-बार नई शुरुआत करनी पड़ती है। हालांकि, सख्त डाइट और कठिन वर्कआउट से जल्दी परिणाम मिल सकते हैं, लेकिन लंबे समय तक इन्हें लगातार अपनाए रखना आसान नहीं होता। ऐसी टिकाऊ आदतें अपनाना और समझदारी भरे विकल्प चुनना है, जिन्हें आज की व्यस्त और तेज़ रफ्तार जीवनशैली में आसानी से शामिल किया जा सके। कैलिफ़ोर्निया बादाम मोनोअनसैचुरेटेड फैट से भरपूर होते हैं, इसलिए इन्हें भोजन में हेल्दी फैट के अच्छे स्त्रोत के रूप में शामिल किया जा सकता है।

फ्लिपकार्ट ने फूड एंड न्यूट्रिशन कैटेगरी में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज बताया कि इसकी फूड एंड न्यूट्रिशन कैटेगरी में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जेन जी ग्राहकों और धुलिया, इंफाल, धारवाड़, उज्जैन, हुबली, मीरगंज एवं लहरपुर समेत कई अन्य टियर 2+ बाजारों के ग्राहकों ने इस बढ़ोतरी में अहम योगदान दिया है।

भूमिगत ट्रैक पर जल्द दौड़ेगी मेट्रो, एलिवेटेड से अंडरग्राउंड का होगा संगम

शहर की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो सुरंग का निर्माण एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन से होगा शुरू

एयरपोर्ट स्टेशन पर करीब 20 मीटर गहरा शाफ्ट तैयार किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो सुरंग का निर्माण एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन से शुरू होगा। सुपर कॉरिडोर का एलिवेटेड कॉरिडोर यहीं समाप्त होगा और इसके बाद मेट्रो भूमिगत ट्रैक पर दौड़ेगी। इसी उद्देश्य से एयरपोर्ट स्टेशन पर टनल बोरिंग मशीन, टीबीएम, लॉन्च करने के लिए करीब 20 मीटर गहरा शाफ्ट तैयार किया गया है। शाफ्ट का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और अब मशीन के इंदौर पहुंचने का इंतजार है। अधिकारियों के अनुसार मशीनों फैक्टरी में सभी तकनीकी परीक्षण पूरे कर लिए हैं। उसके इंदौर पहुंचने के बाद शाफ्ट में उतारकर असेंबल किया जाएगा। यदि सभी तैयारियां समय पर पूरी रहीं तो अगस्त में सुरंग खोदने का काम शुरू होने

की संभावना है। एयरपोर्ट स्टेशन का डिजाइन भी तय कर दिया गया है।

कट एंड कवर तकनीक से निर्माण: स्टेशन का निर्माण कट एंड कवर तकनीक से किया जा रहा है। इस पद्धति में पहले जमीन की खुदाई कर भूमिगत स्टेशन तैयार किया जाता है और निर्माण पूरा होने के बाद ऊपर की सतह को दोबारा भरकर सामान्य स्वरूप दे दिया जाता है। इससे भविष्य में यातायात और आसपास की गतिविधियों पर स्थायी असर नहीं पड़ता। स्टेशन का पहला स्तर यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए होगा। दूसरे कॉन्कोर्स लेवल पर ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम एएफसी, यात्री सहायता केंद्र, वेटिंग एरिया, टिकटिंग सुविधाएं तथा सुरक्षा जांच की व्यवस्था रहेगी। तीसरे स्तर पर प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा, जहां से यात्री मेट्रो ट्रेन में सवार हो सकेंगे।

अलग-अलग रैंप बनेंगे एयरपोर्ट- स्टेशन एलिवेटेड और अंडरग्राउंड दोनों कॉरिडोर का जंक्शन भी होगा। इसी कारण यहां दो अलग-अलग रैंप बनाए जा रहे हैं। मेट्रो को भूमिगत ट्रैक पर उतारने के लिए लगभग 170 मीटर लंबा रैंप तैयार होगा, जबकि अंडरग्राउंड हिस्से से एलिवेटेड ट्रैक पर वापस लाने के लिए करीब 180 मीटर लंबा दूसरा रैंप बनाया जाएगा। दोनों रैंप स्टेशन से सीधे जुड़े रहेंगे, जिससे मेट्रों का संचालन बिना किसी रुकावट होगा।

टीबीएम लॉन्चिंग इंदौर मेट्रो के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में

एयरपोर्ट स्टेशन और टीबीएम लॉन्चिंग का यह कार्य इंदौर मेट्रो परियोजना के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में माना जा रहा है, क्योंकि इसी के साथ शहर में पहली बार अंडरग्राउंड मेट्रो सुरंग निर्माण की शुरुआत होगी। एयरपोर्ट स्टेशन का डिजाइन भी तय कर दिया गया है- स्टेशन 190 मीटर लंबा और 26 मीटर चौड़ा होगा। इसे तीन स्तरों पर विकसित किया जाएगा। फिलहाल शाफ्ट के साथ स्टेशन के लिए खुदाई का कार्य भी अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश खुदाई पूरी हो चुकी है और अब अगले चरण के निर्माण की तैयारी की जा रही है।

सहायक प्राध्यापक परीक्षा से पहले बदलना पड़ा केंद्र का रास्ता एमपीपीएससी ने वैकल्पिक रास्ता जारी किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की ओर से 12 जुलाई को होने वाली सहायक प्राध्यापक परीक्षा से पहले अव्यवस्थित सड़क व्यवस्था सामने आई है। गवर्नमेंट न्यू लॉ कॉलेज परीक्षा केंद्र तक जाने वाला मुख्य मार्ग निर्माण कार्य के कारण आयोग को अभ्यर्थियों के लिए वैकल्पिक रास्ता जारी करना पड़ा है। आयोग को परीक्षा से पहले विशेष सूचना जारी कर उम्मीदवारों को यह बताना पड़ा कि इंदौर के गवर्नमेंट न्यू लॉ कॉलेज, जीएसीसी कैंपस, भंवरकुआं स्थित परीक्षा केंद्र तक जाने वाला सामान्य मार्ग फिलहाल उपयोग योग्य नहीं है।

प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल-आयोग के अनुसार परीक्षा केंद्र तक एबी रोड़ की ओर से जाने वाले रास्ते पर सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। इसके चलते अभ्यर्थियों को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार, खंडवा रोड़ वाले वैकल्पिक मार्ग से पहुंचने की सलाह दी गई है। सूत्रों की माने तो परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण आयोजन से ठीक पहले मुख्य मार्ग का बाधित होना प्रशासनिक तैयारियों पर भी सवाल खड़े करता है।

परिवर्तित मार्ग बनेगा परेशानी

बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के लिए मार्ग परिवर्तन अतिरिक्त परेशानी का कारण बन सकता है। यदि उम्मीदवारों को समय पर सूचना नहीं मिलती या वे पुराने मार्ग से पहुंचने का प्रयास करते हैं, तो परीक्षा केंद्र तक समय पर पहुंचना मुश्किल हो सकता है। हालांकि आयोग ने अभ्यर्थियों को समय से पहले घर से निकलने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह देकर स्थिति संभालने का प्रयास किया है, लेकिन परीक्षा के दौरान ऐसी बाधाएं उम्मीदवारों के तनाव को बढ़ाने वाली साबित हो सकती हैं।

केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स में समय पर सर्जरी से मां और नवजात सुरक्षित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गर्भावस्था के 34वें सप्ताह में जब 34 वर्षीय श्रीमती पुरोहित को लगातार दो से तीन दिनों तक गर्भ में शिशु की हलचल सामान्य से काफी कम महसूस हुई तो उन्होंने केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स में परामर्श लिया। जांच के दौरान सामने आया कि यह सामान्य मामला नहीं, बल्कि पहले से ही कई जटिलताओं से जुड़ी हाई रिस्क प्रेग्नेंसी थी। विशेषज्ञों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिना समय गंवाए इमरजेंसी सिजेरियन सर्जरी का निर्णय लिया। स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों के साथ नवजात शिशु विशेषज्ञों की समन्वित देखभाल से मां और नवजात दोनों को सुरक्षित रखा जा सका।

जांच में पता चला कि मरीज का यह गर्भ पहले से ही कई कारणों से जोखिमपूर्ण था। उन्हें पहले दो बार गर्भपात हो चुका था। इसके अलावा वे थ्रोम्बोफिलिया यानी एंटीथ्रोम्बिन थ्री की कमी से भी पीड़ित थीं। यह ऐसी स्थिति है जिसमें खून का थक्का बनने का खतरा बढ़ जाता है और गर्भस्थ शिशु तक पर्याप्त रक्त प्रवाह प्रभावित हो सकता है। अल्ट्रासाउंड में फिटल ग्रोथ रेस्ट्रिक्शन की पुष्टि हुई। गर्भनाल के माध्यम से शिशु तक पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण नहीं पहुंच पा रहा था, जिसके कारण उसका विकास सामान्य गति से नहीं हो रहा था। इसी वजह से शिशु की गतिविधियों में कमी आना चिंता का विषय था। केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स की सीनियर कंसल्टेंट गायनेकोलॉजी एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. नीना अग्रवाल के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने मरीज की स्थिति का विस्तृत मूल्यांकन किया। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि गर्भावस्था को आगे जारी रखना मां और शिशु दोनों के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। इसके बाद तत्काल इमरजेंसी लोअर सेगमेंट सिजेरियन सेक्शन (एलएससीएस) किया गया।

कलेक्टर ने देवनगरी बस्ती के बच्चों का कराया स्कूल प्रवेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर एयरपोर्ट रोड स्थित देवनगरी बस्ती के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को भावनात्मक और प्रेरणादायी माहौल देखने को मिला। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा बच्चों के बीच पहुंचे और जमीन पर बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कुछ समय पूर्व देवनगरी बस्ती के बच्चे अपने अभिभावकों एवं सामाजिक कार्यकर्ता मोहित सिंह चौहान के साथ जनसुनवाई में पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्टर श्री वर्मा को बताया था कि जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण उनके समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज भी नहीं बन पा रहे हैं। दस्तावेजों के अभाव में बच्चों का स्कूल में प्रवेश भी प्रभावित हो रहा था।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद देवनगरी बस्ती में विशेष अभियान चलाया गया। शासकीय प्राथमिक विद्यालय में दो दिवसीय विशेष शिविर आयोजित कर उन बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए, जिनका जन्म घर पर होने के कारण नगर निगम के अभिलेखों में दर्ज नहीं हो पाया था। जन्म प्रमाण पत्र बनने के बाद बच्चों के समग्र आईडी, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी तैयार किए गए। इस पहल से 40 से अधिक बच्चों के शिक्षा और भविष्य का रास्ता आसान हो गया।

शुक्रवार को कलेक्टर शिवम वर्मा स्वयं विद्यालय पहुंचे और इन बच्चों का विधिवत स्कूल प्रवेश कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे की शिक्षा केवल दस्तावेजों के अभाव में बाधित नहीं होने दी जाएगी।

ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ श्री ब्रह्मोत्सव महापर्व

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● छत्रीबाग स्थित सिद्धधाम श्री लक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान में शुक्रवार से सप्त दिवसीय श्री ब्रह्मोत्सव एवं रथयात्रा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। ध्वजारोहण, वैदिक अनुष्ठानों, महाभिषेक और संत प्रवचनों के बीच आरंभ हुए इस उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। 'वेंकटरमण गोविंदा, श्रीनिवास गोविंदा' नाम-जप परिक्रमा और श्रृंगार आरती के बाद दक्षिण भारतीय वैदिक परंपरा के अनुसार गरुड़ ध्वजा का पूजन किया।

15 के बाद क्रमोन्नति का कार्य पुन: प्रारम्भ किया जाएगा तथा अन्य कार्य भी तेजी से निराकृत किए जाएंगे- डीईओ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अभी 10-15 दिनों से तबादले, पदोन्नति एवं स्कूलों की शैक्षिक कार्यों का आवश्यक कार्य होने से शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश निकालने की प्रक्रिया धीमी हो गई थी लेकिन 15 जुलाई के बाद प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी और प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ क्रमोन्नति के आदेश शीघ्र जारी किए जाएं। इंदौर बीईओ की पदस्थापना जल्द होने की संभावना है। उक्त बातें नवागत जिला शिक्षा अधिकारी

शौर्य मल्होत्रा ने वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन मप्र के प्रतिनिधि मंडल से चर्चा के दौरान कही। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन मप्र के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं इंदौर सम्भाग प्रभारी भगवतीप्रसाद पण्डित की अगुआई में मिले इस प्रतिनिधि मंडल में गंगाराम प्रजापति, सुरेन्द्र कुमार शुक्ला, ताराचंद व्यास तथा बालकिशन कौशल आदि शामिल थे।

लोधी समाज के प्रदेश अध्यक्ष को झूठे मामले में गिरफ्तार करने से पूरे समाज में रोष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय लोधी,लोधा,लोध क्षत्रिय युवा महासभा इन्दौर के पदाधिकारियों द्वारा आज इन्दौर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में जाकर ज्ञापन सौंपा। लोधी क्षत्रिय महासभा प्रदेश के अध्यक्ष सर्वजीत सिंह ठाकुर को जिला सागर से पुलिस द्वारा 2 वर्ष पुराने झूठे प्रकरण में गिरफ्तार किए जाने के विरोध में इन्दौर के समाजजन ने जिसमें लोधी महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक नर्मदा प्रसाद कौशल के सानिध्य में मनोज जरिया , सुरेश कौशल, अनुरुद्ध सिंह ठाकुर,विजय नरवरिया, हेमंत परमार व मांगीलाल जी तिलक सिंह , अनिल सिंह लोधी , एडवोकेट राजकुमार कौशल, राजेन्द्र कौशल, कमलेश कौशल, हेमंत कोडला, प्रीतम सिंह ठाकुर ने इन्दौर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। इस मामले से पूरे समाज में रोष है, यह जानकारी लोधी महासभा के वरिष्ठ अनुरुद्ध सिंह ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

शहर में आज आयोजित होगा 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, नेतृत्व क्षमता एवं विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा 11 जुलाई, को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन किया जा रहा है। 'One State. One Generation. One Sankalp.' की थीम पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 5,000 युवा सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशेष रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10 बजे से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 12 बजे कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

यह कॉन्क्लेव युवाओं को मध्यप्रदेश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार, अनुभव और सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान करेगा तथा उन्हें प्रदेश के भविष्य के निर्माण में सहभागी बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव को संबोधित करेंगे तथा युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विकसित, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे।

आवासीय भूखण्डों की रजिस्ट्री को लेकर बैठक आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में सरदार सरोवर परियोजना में विस्थापितों को आवंटित आवासीय भूखण्डों की रजिस्ट्री एवं अन्य विषयों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापितों को आवंटित आवासीय भूखण्डों की रजिस्ट्री कार्यों में तेजी लायी जाये। शिकायत निवारण प्राधिकरण की एकल पीठ एवं युगल पीठ में लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। साथ ही सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने आगे कहा कि सरदार सरोवर परियोजना में धार, बड़वानी, खरगोन और आलीराजपुर जिले के प्रभावित हुए विस्थापितों को बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें। जिसमें सड़क, पानी, बिजली, पंचायत भवन, आँगनवाड़ी, शुद्ध जल आदि शामिल हैं।

गौ-माता को राष्ट्रीय माता घोषित कराने के अभियान का शुभारंभ, 27 जुलाई तक 15 करोड़ हस्ताक्षर कराने का लक्ष्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सनातनी देश भारत में गौ-माता का कटना सबसे बड़ा कलंक है। गौ हत्या रोकना व गौवंश की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। आजादी के समय देश में 35 करोड़ गौवंश था, जो आज घटकर 9 करोड़ रह गया है। गौ माता को कटने पर जो कष्ट होता है, वह असहनीय है और यह सब सनातनी देश जिसके राजा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सभी सनातन धर्म को मनाने वाले है और इस देश में गौ हत्या हो रही है, जो बहुत दुखद है, इसके लिये कही न कही हम सब दोषी है, जो यह कृत्य होते हुये भी अंजान बनकर देख रहे है और गौ माता की पीड़ा को सह रहे है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये गौ सेवा भारती के अशोक गुप्ता ने कहा कि, गौ माता में 33 कोटी देवताओं का वास होता है और जिस घर में गौ

माता पाली जाती है, वहाँ बीमारी नही आती है। कार्यक्रम को पूर्व डी.एस.पी. हरीश मोटवानी, सुरेश पिंगले ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये संजय कटारिया ने कहा कि, 27 जुलाई को गौ सम्मान दिवस मनाया जावेगा, इस दिन 790 जिला मुख्यालयों पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर 15 करोड़ लोगों के हस्ताक्षर कराने का लक्ष्य रहा गया है, जिसमें हरी संकीर्तन के पश्चात् कलेक्टर महोदय को प्रार्थना पत्र सौंपा जावेगा, ताकि हमारी बात राष्ट्रपति महोदय तक पहुँच सके।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अब तक 414 करोड़ की सब्सिडी दी

य़ोजना में साठ हजार से ज्यादा स्थानों पर सोलर लगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम मप्र यानि मालवा, निमाड़ में रूफ टॉप सोलर नेट मीटर यानि परिसरों की छतों से सौर ऊर्जा उत्पादन करने वालों की संख्या में सतत बढ़ोत्तरी हो रही है। अब पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीन कुल 78000 स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा है। इनमें से पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में ही 60 हजार से ज्यादा स्थानों पर संयंत्र लगे है। पीएम सूर्यघर मुफ्त योजना में 53 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को करीब 414 करोड़ रूपए की सब्सिडी केंद्र शासन द्वारा प्रदान की जा चुकी है। मालवा निमाड़ में रूफ टॉप सोलर नेट मीटर क्षमता अब 430 मैगावाट के पार हो चुकी है। पीएम सूर्यघर मुफ्त योजना लागू होने के बाद उत्पादित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा से करीब 262 हजार टन कार्बन उत्सर्जन कम हुआ हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि हाल ही में मप्र नियामक आयोग ने पीएम सूर्यघर मुफ्त योजना के तहत सोलर स्थापना के समय रजिस्ट्रेशन फीस, मीटर टेस्टिंग फीस, एग्रिमेंट प्रक्रिया से छूट दी हैं, इससे सोलर लगाने वालों को बड़ी राशि की अतिरिक्त रूप से बचत हो रही है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शनिवार 11 जुलाई 2026

महाकाल मंदिर की संपत्ति पहली बार आई सामने 472 करोड़ की एफडी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति हर वर्ष श्रद्धालुओं से प्राप्त नकद और ऑनलाइन दान का ब्यौरा सार्वजनिक करती रही है, लेकिन पहली बार मंदिर समिति की कुल वित्तीय और स्थायी संपत्तियों की तस्वीर सामने आई है। समिति के पास वर्तमान में करीब 472 करोड़ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), लगभग 90 एकड़ बेशकीमती जमीन और सोना-चांदी पर्याप्त मात्रा में है।

मंदिर समिति की 472 करोड़ रुपए की एफडी यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया में जमा है। इसके अलावा विभिन्न बैंक खातों में करीब 16 करोड़ रुपए की नकद राशि भी उपलब्ध है। हालांकि श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के कारण मंदिर समिति का वार्षिक खर्च भी तेजी से

बढ़कर करीब 135 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

आय के साथ खर्च भी बढ़ा

महाकाल लोक बनने से पहले मंदिर परिसर का क्षेत्रफल 2.82 हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 47 हेक्टेयर हो चुका है। वर्तमान में मंदिर समिति में 306 कर्मचारी कार्यरत हैं। इनके वेतन, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, रखरखाव, निर्माण कार्य, अन्नक्षेत्र, गोशाला, महाकालेश्वर वैदिक शोध संस्थान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पर्व-त्योहारों की व्यवस्थाओं पर हर वर्ष लगभग 135 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। पहले मंदिर का मासिक खर्च करीब 2.5 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 11 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

11 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री द्वारा श्री महाकाल लोक का लोकार्पण किए जाने के बाद मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। पहले प्रतिदिन जहां 40 से 50 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर डेढ़ से दो लाख प्रतिदिन तक पहुंच गई है। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ मंदिर की आय और दान राशि में भी लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

मंदिर समिति को वित्तीय वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026) के दौरान रिकॉर्ड 142 करोड़ रुपए की आय हुई। इसमें केवल दान मद से ही 78 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो पिछले छह वर्षों का सबसे अधिक दान है। यह राशि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में करीब 27 करोड़ रुपए अधिक रही।

एक साल में 107 करोड़ का दान, सोना-चांदी भी खूब मिला

वर्ष 2025 के दौरान लगभग 6 करोड़ श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे। इस अवधि में मंदिर को 107 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ, जिसमें 43 करोड़ रुपए दान पेटियों से, 64 करोड़ रुपए शीघ्र दर्शन टिकट एवं रसीदों से प्राप्त हुए। इसी दौरान श्रद्धालुओं ने मंदिर को 592.36 किलो चांदी और 1.48 किलो सोना भी दान किया। वर्ष 2024 की तुलना में चांदी का दान लगभग 193 किलो अधिक रहा, जबकि सोने का दान मामूली रूप से कम दर्ज किया गया। मंदिर समिति के पास वर्तमान में सोना-चांदी भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। इसकी अनुमानित कीमत लगाना बाकी है। इसके अलावा समिति के स्वामित्व में लगभग 90 एकड़ जमीन है, जिसकी कीमत भी करोड़ों रुपए में है। हालांकि इन जमीनों से जुड़े कुछ मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं।

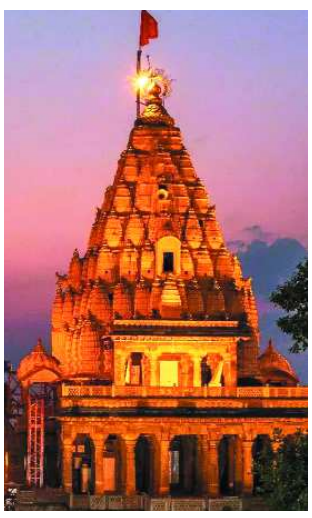

न्यूज ब्रीफ

स्वामी परमानंद गिरि के सानिध्य में इस बार 30वां ध्यान साधना शिविर खंडवा रोड आश्रम पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रीराम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के वरिष्ठ सदस्य, महामंडलेश्वर युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज के सानिध्य में ध्यान-साधना शिविर का 30 वां दिव्य आयोजन गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में खंडवा रोड स्थित अखंड परमधाम आश्रम के सत्संग सभागृह में 10 से 16 अगस्त तक आयोजित होगा। शिविर का शुभारंभ 10 अगस्त को शाम 5 बजे युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज के सानिध्य एवं आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद गिरि की मौजूदगी में होगा। अखंड परमधाम सेवा समिति के अध्यक्ष किशनलाल पाहवा, महासचिव राजेश अग्रवाल एवं समन्वयक विजय शादीजा ने बताया कि पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में 11 से 15 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 7 से 8 बजे तक योगासन, 8 से 9 बजे तक ध्यान एवं प्रवचन तथा शाम 5 से 7 बजे तक प्रवचनों की अमृत वर्षा खंडवा रोड आश्रम के सभागृह में होगी।

अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति - नामांकन फॉर्म जमा करने का आज अंतिम दिवस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के द्विवार्षिक चुनाव के लिए नामांकन फॉर्म के वितरण का सिलसिला जारी है। अब तक लगभग 100 नामांकन पत्र दिए जा चुके हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी गोपालदास अग्रवाल एवं सहायक चुनाव अधिकारी अरविंद अग्रवाल वेल्यूअर और मनीष खजांची ने बताया कि शनिवार 11 जुलाई को नामांकन जमा करने का अंतिम दिवस है। नामांकन शाम 4 से 7 बजे तक केन्द्रीय समिति के आंचल नगर, स्कीम 140, पीपल्याहाना स्थित हाईटेक कार्यालय पर जमा किए जा सकेंगे। सोमवार 13 जुलाई को जाँच के पश्चात शाम 4 बजे वैध उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा और बुधवार 15 जुलाई को शाम 4 से 7 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। गुरुवार 16 जुलाई को उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा और जरुरी हुआ तो कुल 21 पदों के लिए रविवार 26 जुलाई को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक राजीव गाँधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर मतदान होगा।

प्रदेश में अगले 3 दिन हल्की बारिश का दौर, अगले हफ्ते भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश में अगले 3 दिन तक हल्की बारिश का दौर रहेगा। कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। ढ्ढरूष्ठ (मौसम केंद्र) भोपाल के मुताबिक, मौजूदा सिस्टम कमजोर हो रहा है। इसलिए 11, 12 और 13 जुलाई को रिमझिम बारिश होगी। 14 जुलाई को जरूर कुछ जिलों में हेवी रेन होने का अनुमान है। शनिवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर-ग्वालियर समेत सभी 55 जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होगी। यहां आंधी की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पाकिस्तान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इसका असर अगले सप्ताह देखने को मिलेगा।

प्रदेश में इस बार पूरे जून महीने आंधी-बारिश का दौर रहा। बावजूद इसके कोटे से 30 प्रतिशत पानी कम बरसा, लेकिन जुलाई के 9 दिनों ने यह कोटा न सिर्फ पूरा कर दिया, बल्कि 10 प्रतिशत ज्यादा पानी बरसा दिया। आंकड़ों की बात करें तो प्रदेश में अब तक कुल 240 मिमी यानी, 9.5 इंच पानी गिर चुका है। यह सामान्य बारिश 222.1 मिमी (8.8 इंच) से 8 प्रतिशत ज्यादा है। पूर्वी हिस्से में 8 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि पश्चिमी हिस्से में औसत से 24 प्रतिशत पानी ज्यादा गिरा है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में कम बारिश हुई है, लेकिन जुलाई से काफी उम्मीदें हैं। इस महीने पूरे मानसून की एक तिहाई बारिश का ट्रेंड है। जैसे- भोपाल में 39 इंच सामान्य बारिश है तो 14 इंच बारिश जुलाई में होती है। बड़े शहरों में जबलपुर ही ऐसा है, जहां सबसे ज्यादा 17 इंच से ज्यादा बारिश होती है।

इंदौर में 24 घंटे में 11.5 इंच बारिश का रिकॉर्ड

इंदौर की बात करें तो 24 घंटे में 11.5 इंच बारिश होने का रिकॉर्ड है, जो 27 जुलाई 1913 में हुई थी। वर्ष 1973 को पूरे महीने 30.5 इंच पानी गिरा था। बारिश के चलते यहां भी तापमान में गिरावट देखने को मिलती है। इंदौर में महीने की एवरेज बारिश 12 इंच है। एवरेज 13 दिन यहां बारिश होती है।

भोपाल में 41 इंच बारिश का रिकॉर्ड

भोपाल में जुलाई में खूब बारिश होती है। यहां एक ही महीने में 1031.4 मिमी यानी 41 इंच के करीब बारिश होने का रिकॉर्ड है। यह साल 1986 को हुई थी। 22 जुलाई 1973 को एक ही दिन में 11 इंच बारिश हुई थी, जो अब तक का रिकॉर्ड है। भोपाल में बारिश के दिनों की बात करें तो जुलाई महीने में एवरेज 15 दिन बारिश होती है। यानी, हर दूसरे दिन पानी बरसता है। महीने की एवरेज बारिश 367.7 मिमी यानी 14.4 इंच है। बारिश के चलते दिन का तापमान 30 और रात में पारा 25 डिग्री से कम रहता है।

ग्वालियर में 6 बार 8 इंच से कम बारिश

ग्वालियर में सबसे कम बारिश होती है। पिछले 10 साल में 6 बार ऐसा हुआ, जब 8 इंच से कम पानी गिरा हो, जबकि यहां की एवरेज बारिश 9 इंच के करीब है। ग्वालियर में वर्ष 1935 में महीने की सबसे ज्यादा बारिश हुई थी। तब 623.3 मिमी यानी 24.5 इंच बारिश दर्ज की गई थी। 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश की बात करें तो 12 जुलाई 2015 में 190.6 मिमी यानी साढ़े 7 इंच पानी बरसा था। ग्वालियर में जुलाई के महीने में एवरेज 11 दिन बारिश होती है।

उज्जैन में जमकर होती है बारिश

प्रदेश के अन्य शहरों की तरह उज्जैन में भी जुलाई में जमकर बारिश होती है। कोटे की करीब 40 प्रतिशत बारिश इसी महीने हो जाती है।

मंत्री सिलावट ने छह ग्राम पंचायतों को पेयजल टैंकर किए वितरित

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मिलेगा सशक्त आधार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज अपने इंदौर स्थित निज निवास कार्यालय पर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए छह ग्राम पंचायतों को लगभग 10 लाख रुपये की लागत के पेयजल टैंकर वितरित किए। इन टैंकरों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भी आवश्यकतानुसार पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा।मंत्री सिलावट ने इस अवसर पर ग्राम पंचायत केलोदहाला, सेमलिया रायमल, खुदेल बुजुर्ग, बिलोदा नायता, पंचोला एवं शाहदा के सरपंचों एवं प्रतिनिधियों को पेयजल टैंकरों की चाबियां सौंपीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्षभर ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रहती है। ऐसे अवसरों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था एक महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त गर्मी के मौसम अथवा अन्य परिस्थितियों में यदि किसी क्षेत्र में पेयजल की आवश्यकता उत्पन्न होती है तो ये टैंकर त्वरित रूप से उपयोग में लाए जा सकेंगे। इससे ग्राम पंचायतों की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा आम नागरिकों को समय पर पेयजल उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

फायर ऑफिसर को थप्पड़ मारने वाला भेजा गया जेल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● फायर सेफ्टी जांच के दौरान नगर निगम के प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू से मारपीट करने के आरोपी को कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोपी को भैरवगढ़ सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। आरोप है कि होटल संचालक के बेटे ने शासकीय अधिकारी के साथ मारपीट कर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। मामले में शासन और थाना महाकाल की ओर से जमानत का तथ्यात्मक विरोध किया गया। प्रभारी उप-निदेशक (अभियोजन) राजेंद्र कुमार खांडेगर के निर्देशन में एडीपीओ शैलेंद्र जीनवाल ने न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत की, जिसके आधार पर कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी हार्दिक देवकर ने बताया कि 8 जुलाई को नगर निगम के प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट के लिए जयसिंहपुरा स्थित मां पीतांबरा होटल रेजिडेंसी पहुंचे थे। वहां उन्होंने होटल संचालक के पुत्र ब्रजेंद्र उर्फ विकास अरोण्या से फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट, फायर ऑडिट रिपोर्ट और बिल्डिंग परमिशन मांगी। दस्तावेज मांगने पर विकास अरोण्या कथित तौर पर भड़क गया। उसने फायर अधिकारी से हाथापाई की, उनके दस्तावेज काउंटर से बाहर फेंक दिए तथा उनका वायरलेस सेट और चश्मा तोड़ दिया। इसके बाद उसने फायर अधिकारी के साथ थप्पड़ों से मारपीट की, जिससे उनके चेहरे पर चोट आई। घटना की सूचना मिलने पर नगर निगम के सहायक आयुक्त राघवेंद्र पालिया, उपायुक्त संजय गुप्ता और सहायक फायर अधिकारी सौम्या चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटना का सीसीटीवी फुटेज भी जब्त कर लिया है।

हाई कोर्ट ने बेटी को शेल्टर होम से निकालकर पिता और बड़ी बहन को सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने पॉक्सो मामले में आरोपी एक पिता को उसकी 14 वर्षीय बेटी की कस्टडी वापस सौंपने का आदेश दिया है। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने शेल्टर होम (आश्रय गृह) में रह रही नौवीं क्लास की छात्रा की इच्छा और उसके भविष्य को देखते हुए यह फैसला किया। पति-पत्नी के बीच साल 2020 से विवाद चल रहा था। 2021 में मां ने पति पर छोटी बेटी के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाकर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करा दिया, जिसके कारण पिता को 51 दिन जेल में रहना पड़ा। साल 2025 में ट्रायल के दौरान बेटी ने कोर्ट को लिखित में दिया कि उसके पिता बेगुनाह हैं, उसने मां के दबाव में आकर बयान दिए थे।

पिता के साथ रह रही बेटी को बाल संरक्षण समिति ने प्रशासनिक कार्रवाई के तहत शेल्टर होम भेज दिया था, जिसके खिलाफ पिता और बड़ी बहन ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। हाई कोर्ट ने फैसला सुनाने से पहले सभी पक्षों से बंद कमरे में अलग-अलग बातचीत की। कोर्ट में बेटी ने कहा- पापा ने कभी मेरे साथ कुछ गलत नहीं किया। वे मेरी पढ़ाई और हर जरूरत का ध्यान रखते हैं। मैं उनके साथ पूरी तरह सुरक्षित हूं और उन्हीं के साथ रहना चाहती हूं। पेशे से इंजीनियर बड़ी बहन ने कहा- मां ने वैवाहिक विवाद के चलते छोटी बहन पर दबाव बनाकर पिता के खिलाफ झूठे बयान दिलवाए थे। पापा ने हमेशा हम दोनों बहनों का ख्याल रखा है। हाई कोर्ट ने माना कि दोनों बेटियां समझदार, शिक्षित और अपने भविष्य को लेकर सजग हैं। इसलिए बच्ची की इच्छा और उसके 'सर्वोत्तम हित' को प्राथमिकता देना जरूरी है। कस्टडी सौंपने के साथ ही कोर्ट ने दो अहम सुरक्षात्मक निर्देश भी दिए।

नगरपालिका पार्किंग से बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद आरोपी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● नगरपालिका परिसर की पार्किंग से चोरी हो गई। पूरी वारदात परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें आरोपी पहले रेकी करता और फिर महज 16 सेकंड में बाइक लेकर फरार होता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटना गुरुवार दोपहर की है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी पहले पार्किंग क्षेत्र में घूमकर स्थिति का जायजा लेता है। इसके बाद वह कुछ ही सेकंड में बाइक लेकर मौके से फरार हो जाता है। पूरी वारदात 26 सेकंड के फुटेज में रिकॉर्ड हुई है।

कंप्यूटर ऑपरेटर विशाल सांवले ने घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपते हुए शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी बीएल मंडलोई ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इंदौर में आज जुटेंगे प्रदेश के 5 हजार युवा: 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश के युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को नई दिशा देने के उद्देश्य से आज इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 'वन स्टेट, वन जनरेशन, वन संकल्प' थीम पर आधारित इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 5 हजार युवा शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहकर युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। इस कॉन्क्लेव में युवाओं को प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे कार्यक्रम में पहुंचकर युवाओं को संबोधित करेंगे और उन्हें विकसित, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध मप्र के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे।

युवाओं के विचारों से बनेगा विकास का रोडमैप- कॉन्क्लेव में शिक्षा, कौशल विकास, खेल, स्टार्टअप, एमएसएमई, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कृति, पर्यटन और जनभागीदारी जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़े युवा भाग लेंगे। विभिन्न संवाद सत्रों और कार्यशालाओं के माध्यम से प्रतिभागी अपने क्षेत्रों की चुनौतियों, संभावनाओं और समाधान पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम की विशेषता पांच समानांतर विषयगत कार्यशालाएं होंगी, जिनमें युवा खुद व्यवहारिक और क्रियान्वयन योग्य सुझाव तैयार करेंगे।

रैली, सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और युवा संवाद होंगे आकर्षण- कॉन्क्लेव में मोटर साइकिल और साइकिल रैली, प्रेरणादायी उद्बोधन, युवा उपलब्धि सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संवादात्मक सत्र, म्यूजिक स्टेज, इंदौरी फूड स्ट्रीट और सामूहिक युवा संकल्प कार्यक्रम जैसे अनेक आकर्षण होंगे। कार्यक्रम के अंत में 5 हजार युवा एक साथ विकसित मध्य प्रदेश के निर्माण का संकल्प लेंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

पहली ही बारिश में थम गई दिल्ली, आखिर हर साल क्यों दोहराती है वही कहानी?

सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है। दिल्ली की एक प्रमुख सड़क पर भारी बारिश के बाद घुटनों तक जलभराव है। सड़क पर कारें, बसें, ऑटो-रिक्शा और मोटरसाइकिलें ट्रैफिक में फंसी हैं, जबकि एक व्यक्ति छाता लेकर पानी के बीच से गुजर रहा है। पृष्ठभूमि में आधुनिक इमारतें, ओवरपास, घने काले बादल और बारिश के बीच चमकती इमरजेंसी लाइटें दिखाई दे रही हैं। दिल्ली में मूसलाधार बारिश के बाद जलभराव से प्रमुख सड़कें डूबीं। राजधानी की मानसूनी चुनौतियों को दर्शाते हुए घुटनों तक पानी में फंसे वाहन और आवागमन के लिए जूझते लोग। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते अमूमन यह माना जाता है कि दिल्ली में समूची व्यवस्था अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में भी यही झलकता है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब हकीकत सामने आती है, तब भी उसमें सुधार सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है। इसका एक प्रमुख उदाहरण है बारिश के दिनों में दिल्ली की रफ्तार थम जाना। हर साल राजधानी के बाशिंदों को जलभराव और यातायात अवरुद्ध हो जाने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में समग्र विकास के आश्वासनों के साथ सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन समस्याओं का संजाल अभी भी कमोबेश वैसा ही बना हुआ है। यही वजह है कि बीते गुरुवार को मानसून की पहली तेज बारिश में ही कई जगह सड़कें तालाब बन गईं, यातायात ठप हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सवाल है कि बरसात से पहले संबंधित महकमों की ओर से जिन पूर्व तैयारियों का भरोसा दिलाया जाता है, वे समय आने पर कहां गायब हो जाती हैं! कहने को राष्ट्रीय राजधानी में हर साल मानसून के आगमन से काफी पहले समस्याओं से निपटने की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाती है। इसके तहत मुख्य रूप से छोटे-बड़े नालों और सड़क किनारे जलनिकासी के लिए बनी नालियों की सफाई करनी होती है। मगर इन तैयारियों का अधिकांश कार्य कागजों तक ही सीमित रहता है। जाहिर है कि सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है। इस बार भी सत्ता पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के मुकाबले जलभराव का संकट काफी कम हुआ है।

सेंकंड हैंड ईवी: बदलती सोच, बदलता बाजार और बदलता भारत

हर बदलाव नई चीज़ों से नहीं, नई सोच से जन्म लेता है। भारत में यूज्ड इलेक्ट्रिक वाहनों का तेज़ी से बढ़ता बाजार इसका प्रमाण है। यह केवल ऑटोमोबाइल उद्योग की रफ्तार नहीं, बल्कि विकास को उपभोग नहीं, उपयोगिता की कसौटी पर परखने का संकेत है। जिस वाहन को कल तक 'सेकंड हैंड' कहकर नजरअंदाज किया जाता था, वही आज स्वच्छ पर्यावरण, किफायती परिवहन और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद वाहक बन गया है। यूज्ड ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) बाजार की यह उड़ान महज़ आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत की पहचान है, जो सीमित संसाधनों में भी भविष्य गढ़ना जानता है।

बदलाव की असली पहचान तब होती है, जब वह आम आदमी की पहुँच में उतर आए। इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ यही हो रहा है। नई ईवी कारों और दोपहिया वाहनों की ऊँची कीमत मध्यम वर्ग के लिए अब भी चुनौती है, लेकिन यूज्ड ईवी बाजार ने यह बाधा तोड़ दी है। कम कीमत, पर्याप्त बची हुई बैटरी लाइफ और आसान फाइनेंसिंग ने लाखों लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सुलभ कर दिए हैं। आर्थिक सीमाओं में बंधे लोग अब पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चुन सकते हैं। पहली इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर अब केवल संपन्न वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक की पहुँच में है। पूँजी हमेशा वहीं जाती है, जहाँ भविष्य दिखाई देता है। यूज्ड ईवी बाजार ने वित्तीय संस्थानों का यही भरोसा जीता है। फाइनेंस कंपनियाँ इसे केवल ऋण का नया क्षेत्र नहीं, बल्कि कम जोखिम और बेहतर प्रतिफल वाला निवेश मान रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता और निरंतर बढ़ती मांग ने इस बाजार को मजबूत आधार दिया है। जब निवेश विश्वास के साथ बढ़ता है, तो स्पष्ट होता है कि बाजार क्षणिक उत्साह नहीं, स्थायी संभावनाओं पर टिका है। यही भरोसा आने वाले वर्षों में यूज्ड ईवी बाजार की रफ्तार को और तेज करेगा।

सबसे बड़ा लाभ बाजार का नहीं, सांसों का है। यूज्ड ईवी बाजार की असली उपलब्धि यही है कि हर इस्तेमाल किया गया इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीजल आधारित वाहनों पर निर्भरता को थोड़ा और कम करता है। जहरीली हवा और बढ़ते प्रदूषण से जूझते भारतीय शहरों में यह बदलाव किसी शोरगुल वाले अभियान से नहीं, बल्कि एक मौन हरित क्रांति के रूप में सामने आया है। इसकी ताकत नारों में नहीं, व्यवहार में है। हर पुरानी इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर को मिला नया जीवन वातावरण में प्रदूषण घटाने और स्वच्छ भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक ठोस कदम है। विकास का भविष्य नए संसाधन जुटाने में नहीं, पुराने संसाधनों के बेहतर उपयोग में है। यूज्ड ईवी बाजार इसी सोच का विस्तार है। किसी पुराने इलेक्ट्रिक वाहन का पुन: उपयोग केवल वाहन नहीं बचाता, बल्कि उसके निर्माण में लगी ऊर्जा और खनिज भी बचाता है। नई बैटरियों के उत्पादन में भारी संसाधन लगते हैं, जबकि मौजूदा बैटरी का उपयोग पर्यावरणीय दबाव घटाता है। यही परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) का आधार है, जहाँ वस्तुएँ खत्म नहीं होतीं, नया उपयोग पाती हैं। इसलिए यूज्ड ईवी बाजार केवल सस्ता विकल्प नहीं, संसाधन संरक्षण का प्रभावी माध्यम भी है। हर उड़ान की परीक्षा उसकी ऊँचाई नहीं, स्थिरता होती है। यूज्ड ईवी बाजार के सामने यही चुनौती है। बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद बैटरी की गुणवत्ता सबसे बड़ा प्रश्न बनी हुई है। हर खरीदार के मन में सवाल है कि बची हुई बैटरी कितने वर्षों तक भरोसेमंद रहेगी। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का सीमित विस्तार, प्रशिक्षित सर्विस सेंटरों की कमी और बैटरियों के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) का कमजोर ढाँचा इसकी रफ्तार रोक सकता है। इन कमियों का समाधान नहीं हुआ, तो आज का उत्साह कल अविश्वास में बदल सकता है। तकनीकी बदलाव की सफलता केवल बिक्री नहीं, मजबूत तंत्र से तय होती है।

समाधान बिखरे प्रयासों में नहीं, साझा संकल्प में है। सरकार, वाहन निर्माता और वित्तीय संस्थानों को मिलकर आगे बढ़ना होगा। बैटरियों का स्पष्ट स्टैंडर्डाइजेशन, सेकंड लाइफ बैटरियों के सुरक्षित उपयोग की नीति, यूज्ड ईवी के लिए विशेष इंश्योरेंस, प्रमाणित बैटरी हेल्थ रिपोर्ट और व्यापक चार्जिंग नेटवर्क इस क्षेत्र की बुनियादी जरूरतें हैं। सरकार दूरदर्शी नीति बनाए, वाहन कंपनियाँ भरोसेमंद सेवाएँ दें और फाइनेंस कंपनियाँ आसान वित्त दें, तो यूज्ड ईवी बाजार केवल कारोबार नहीं, भारत की हरित अर्थव्यवस्था का आधार बन सकता है। टिकाऊ विकास तभी संभव है, जब नीति, तकनीक और वित्त एक दिशा में बढ़ें।

हरित विकास तभी सार्थक है, जब वह आम आदमी की पहुँच में हो। यूज्ड ईवी बाजार ने यह संभव किया है। जो हरित तकनीक कभी सम्पन्न वर्ग तक सीमित थी, वह अब मध्यम वर्ग का विकल्प बन रही है। सीमित आय वाला परिवार कम कीमत में पहली इलेक्ट्रिक कार, स्कूटर या बाइक खरीदकर केवल ईंधन नहीं बचाता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा में अपना योगदान देता है। यही लोकतांत्रिक हरित क्रांति है, जहाँ पर्यावरण संरक्षण विशेषाधिकार नहीं, जनभागीदारी बन जाता है। यूज्ड ईवी बाजार ने साबित किया है कि टिकाऊ विकास महँगा नहीं, समझदारी का विकल्प हो सकता है।

भविष्य उन देशों का होता है, जो संसाधनों का मूल्य समझते हैं। यूज्ड ईवी बाजार ने दिखाया है कि विकास और पर्यावरण साथ चल सकते हैं। मजबूत नीतियाँ, बेहतर आधारभूत ढाँचा और विश्वसनीय तकनीक मिली, तो भारत ग्रीन मोबिलिटी में विश्व नेतृत्व हासिल कर सकता है। तब दुनिया भारत को केवल बड़े वाहन बाजार के रूप में नहीं, बल्कि संसाधनों के पुन: उपयोग को विकास का आधार बनाने वाले देश के रूप में पहचानेगी। इस बदलाव का नायक कोई नया वाहन नहीं, बल्कि वही पुराना वाहन है, जिसे समाज ने नया उद्देश्य दिया। कल की सेकंड हैंड कार आज पर्यावरण की प्रहरी है। यही सोच कल के भारत की पहचान बन सकती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

कानून का उल्लंघन नहीं, यह महापाप है

रोजमर्रा की जिंदगी में हम अक्सर सुनते हैं, 'अरे ओ भिया, जरा संभल के!' यह महज़ एक चेतावनी नहीं, बल्कि हमारी सोई हुई नागरिक चेतना को जगाने की पुकार है। हम सभी जानते हैं कि किसी निर्दोष को चोट पहुँचाना पाप है और जान लेना महापाप। फिर जब कोई व्यक्ति लालबत्ती तोड़ता है, नशे में या गलत दिशा में गाड़ी चलाता है, तो उसे महज़ एक 'यातायात उल्लंघन' मानकर क्यों छोड़ दिया जाता है? क्या किसी की लापरवाही से गई जान सिर्फ एक कानूनी मामला है, या फिर यह एक महापापकर्म है?

वास्तविकता यह है कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएँ भाग्य का खेल नहीं, बल्कि किसी न किसी के गलत निर्णय और नियमों की जानबूझकर की गई अवहेलना का परिणाम होती हैं। इसलिए, सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि हमारी नैतिकता, मानवता और संस्कारों से जुड़ा मामला है।

हमने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से पुलिस और जुर्माने के भरोसे छोड़ दिया है। नियम तोड़ने वाला व्यक्ति सिर्फ यह देखता है कि चौराहे पर पुलिस है या नहीं। डर पर आधारित यह अनुशासन कभी स्थायी नहीं हो सकता। चालान सिर्फ जेब पर असर करता है, लेकिन पापबोध आत्मा को झकझोर देता है। जब व्यक्ति के भीतर यह संस्कार बैठ जाएगा कि नियम तोड़ना किसी की जान जोखिम में डालना है, तो उसका व्यवहार स्वयं बदलने लगेगा। डर से नहीं, संस्कार से ही वास्तविक अनुशासन आता है।

इसी वैचारिक बदलाव के लिए आह्वान है कि हम सब यह संकल्प लें कि हम न तो लालबत्ती तोड़ेंगे, न गलत दिशा में चलेंगे, न शराब पीकर या मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाएंगे, और हेलमेट व सीट बेल्ट हमेशा लगाएंगे।

सड़क पर आपकी एक लापरवाही किसी परिवार का संसार उजाड़ सकती है। याद रखिए, यातायात नियम तोड़ना केवल कानून तोड़ना नहीं, किसी की मृत्यु का कारण बनना है। चालान से नहीं, संस्कार से बदलेगा भारत।

राजकुमार जैन

आंचलिक

कुक्षी पुलिस की बड़ी कार्यवाही, अवैध शराब का जखीरा जब्त

आरोपी को किया गिरफ्तार, 2 दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त

अजय नलवाया

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

देर रात्रि को थाना प्रभारी कुक्षी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अलीराजपुर रोड स्थित क्लब सेवन परिसर में अवैध रूप से भारी मात्रा में देशी एवं विदेशी शराब का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर थाना कुक्षी पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नियमानुसार तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान क्लब सेवन परिसर एवं उससे संबंधित गोदाम से विभिन्न ब्रांड की देशी एवं विदेशी शराब तथा बीयर बड़ी मात्रा में बरामद की गई। आरोपी से शराब के संबंध में वैध लाइसेंस एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस द्वारा कुल 265.70 बल्क लीटर अवैध देशी-विदेशी शराब एवं बीयर, जिसकी अनुमानित कीमत 2,16,376/- है, विधिवत जब्त की गई। प्रकरण में आरोपी सुमित प्रजापत, निवासी कुक्षी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से दो दिवस का पुलिस रिमांड प्राप्त हुआ है। वर्तमान में आरोपी से पूछताछ जारी है कि बरामद अवैध शराब का स्रोत क्या है, इसमें और कौन-कौन व्यक्ति शामिल हैं तथा इसके आपूर्ति एवं वितरण नेटवर्क के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा रही है। विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

निवासी कुक्षी

जप्त मशरूका - 265.70 बल्क लीटर देशी एवं विदेशी शराब तथा बीयर
कुल अनुमानित कीमत 2,16,376/-

आपराधिक रिकॉर्ड - आरोपी के विरुद्ध थाना कुक्षी में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना जारी है।

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान, उपनिरीक्षक अनुप बघेल, उपनिरीक्षक प्रकाश अलावा, सहायक उपनिरीक्षक चंचल चौहान, सहायक उपनिरीक्षक गौरीशंकर सोलंकी, प्रधान आरक्षक सतीश एवं आरक्षक विपिन की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

आज संतों के सानिध्य में निकलेगी तुलसी यात्रा

अजय नलवाया

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

धार में विगत 1 माह से 51,000 तुलसी पौधों के वितरण का एक बड़ा अभियान चलाया जा रहा हे जिसके अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में तुलसी यात्राएँ एवं धार्मिक गतिविधियां संचालित की जा रही हे। ग्राम दर्शन राम दर्शन के 3 दिवसीय आयोजन में भी तुलसी वितरण किया गया है। इसी क्रम में धार नगर में आज साधु संतों एवं महामंडलेश्वरो के सानिध्य में एक भव्य तुलसी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है । जिसके संबंध में अलग अलग क्षेत्र की समितियां भी गठित कीए जा रही हे। यात्रा संयोजक डॉ. नवनीत जैन एडवोकेट ने बताया कि नगर के गणमान्य नागरिकों , सभी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों एवं सभी सनातन धर्म के समाज संगठनों से संपर्क किया जा रहा है। यह यात्रा प्रात: 9 :30 बजे धारेश्वर मंदिर से संतों एवं महामंडलेश्वरो के द्वारा पूजा अर्चन के साथ प्रारंभ होगी। जिसमें हजारों तुलसी के पौधे भी रहेंगे जिनकी नगर में घर घर से पूजा होगी । साथ ही यात्रा में अखंड राम धून संकीर्तन भी होगा। यात्रा मार्ग पर स्वागत मंच और सनातनी परिवारों द्वारा स्वागत पूजन भी किया जाएगा।इस तुलसी यात्रा के निमित्त बनाई गई समिति में मार्गदर्शन मंडल में सर्व श्री सुरेश जी राजपुरोहित, श्याम जी नायक, मोतीलालजी रत्नाकर, अनिलजी बोरदिया , अशोक जी मित्तल , विश्वास जी पांडे,समंदर सिंह जी पटेल, दीपक जी पवार अविनाश जी दुबे एवं यात्रा की संचालन समिति में नवदीप सिंह चौहान, वीरेंद्र ठाकुर , हरीश रघुवंशी ,प्रकाश सोलंकी , छगन परमार,

प्रतिभा शिवले, प्रज्ञा बैरागी ,राजेंद्र सवराया ,राजेश पटेल, विनोद नाभावंशी, अजय चौहान,जसप्रीत सिंह सलूजा, विजय चौहान,सुमित्रा पाल , नितिन राठौर, अविनाश डावर,अमित शर्मा, मनीषा शर्मा, डा दुर्गेश नागर दंश, अजय सिंह ठाकुर, परिणय अग्रवाल, इंदर सिंह ठाकुर, वरदान तिवारी , कृपा चौहान, कुंदन वाघेला, सहित सभी ने धार नगर की धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध किया हे कि 11 जुलाई को संतों के सानिध्य में आयोजित इस यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर तुलसी यात्रा को सफल बनाए। यह जानकारी राकेश चौहान ने दी।

पहली महिला डीआईजी सिमाला प्रसाद ने संभाला पदभार

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● निमाड़ रेंज की पहली महिला डीआईजी सिमाला प्रसाद ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर एसपी रवींद्र वर्मा और एएसपी बिट्टू सहगल ने उनका स्वागत किया। पदभार संभालने के बाद डीआईजी प्रसाद ने स्टाफ से शिष्टाचार भेंट की और निमाड़ में बेहतर कानून व्यवस्था स्थापित करने को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। डीआईजी सिमाला प्रसाद ने कहा कि निमाड़ के चारों जिलों - खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर और बड़वानी में मजबूत कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने जनता को बेहतर पुलिसिंग प्रदान करने और लंबित मामलों के अपराधियों को सलाखों

के पीछे पहुंचाने पर जोर दिया।
अवैध काम करने वालों को डेटाबेस बनेगा

उन्होंने अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की बात कही। डीआईजी ने विशेष रूप से अवैध देशी कट्टों और गांजे की खेती को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने बताया कि इस दिशा में पहले भी कार्रवाई हुई है और यह आगे भी जारी रहेगी। सिमाला प्रसाद ने कहा कि अब इंटीग्रेटेड कंबाइंड एफर्ट के साथ लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि निमाड़ के तीन जिलों में अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों का डेटाबेस तैयार कर उनके पुनर्वास का प्रयास किया जाएगा, ताकि उन्हें अन्य व्यवसायों से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि इस दिशा में पहले भी काम हुआ है, लेकिन अब और अधिक प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

खरगोन को जल्द मिलेगा नया कलेक्टर पढ़ने के लिए विदेश जाएंगीं भव्या मित्तल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● कलेक्टर भव्या मित्तल ने 2 साल विदेश में पढ़ाई करने का निर्णय लिया है। जल्द ही वह खरगोन कलेक्टर के पद से मुक्त हो जाएंगी और जिले को नया अधिकारी मिल जाएगा। हालांकि अब तक नए कलेक्टर के नाम की घोषणा नहीं हुई है। कलेक्टर के जाने की चर्चाएं पहले से चल रही हैं।

जानकारी के अनुसार कलेक्टर भव्या मित्तल 2 साल के लिए अमेरिका में लोक प्रशासन की पढ़ाई करने जा रही हैं। वह अपने साथ 6 साल की बेटी को भी ले जा रही हैं। पदमुक्त होने के पहले ही सभी अधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों को विदाई समारोह की पार्टी दी। आमतौर पर जब कलेक्टर का ट्रांसफर होता है तो उसे सीमित समय मिलता है और दूसरी जगह ज्वाइन भी करना पड़ता है।

कलेक्टर मित्तल का मामला पढ़ाई की योजना होने की वजह से उनके जाने से पहले ही उन्होंने सामान शिफ्ट करवा लिया जबकि आमतौर पर अधिकारी के जाने के बाद सामान जाता है। गुरुवार को कलेक्टर जिले से बाहर थी और चर्चा है कि अवकाश स्वीकृति के साथ ही वह सोमवार से कार्यमुक्त हो जाएंगी।

ओंकारेश्वर नगर परिषद की बैठक में 62 विकास प्रस्ताव मंजूर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● ओंकारेश्वर नगर परिषद की साधारण सभा की बैठक में विकास कार्यों को लेकर कई बड़े फैसले किए गए। परिषद अध्यक्ष मनीषा परिहार की अध्यक्षता में शुक्रवार दोपहर 12 बजे से शुरू हुई यह बैठक देर शाम तक चली। बैठक में लाए गए कुल 63 एजेंडों में से 62 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। सीएमओ मोनिका पारधी ने बताया कि ये तमाम निर्णय वित्तीय वर्ष 2026-27 के विकास कार्यों और आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं।

बैठक में द्वारका नगरी मद योजना के तहत नगर की सड़कों के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए टेंडर जारी करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही, विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए नगर परिषद खुद की जेसीबी और पोकलेन मशीन सहित अन्य जरूरी मशीनरी भी खरीदेगी।

नगर की पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आशापुरी मंदिर के पास क्लियर वॉटर पंप और 15 एचपी का मोनोब्लॉक मोटर पंप खरीदने को मंजूरी दी गई। मांधाता पर्वत क्षेत्र के लिए भी नए मोटर पंप खरीदे जाएंगे।

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत नए सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय बनाने तथा एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) कंपोजिट प्लांट के सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव पास किए गए।

घाटों पर सुरक्षा के लिए लगेंगे सीसीटीवी कैमरे-श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ओंकारेश्वर के प्रमुख घाटों और सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा बैठक में जिला फूड हब, कांजी हाउस, आश्रय स्थल के पास दुकानों का निर्माण, नया जनरेटर और लावारिस पशुओं के लिए हाइड्रोलिक वाहन खरीदने जैसे प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। बैठक के दौरान कुछ प्रस्तावों पर पार्षदों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली, लेकिन अंतत: तीर्थ नगरी के विकास और सिंहस्थ की तैयारियों के हित में अधिकांश प्रस्ताव पारित कर दिए गए।

आज इंग्लैंड के सामने नंबर वन की कुर्सी बचाने की आखिरी जंग

साउथम्प्टन (एजेंसी) ● टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इस समय एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय क्रिकेट टीम के सिर से टी-20 रैंकिंग का ताज छीनने का खतरा मंडरा रहा है। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के बाद, इंग्लैंड की टीम अब इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ी है। शृंखला का आखिरी मुकाबला शनिवार को साउथम्प्टन में खेला जाना है, जो न केवल इस सीरीज का अंत करेगा बल्कि वैश्विक टी-20 रैंकिंग का समीकरण भी बदल सकता है। अगर इंग्लैंड इस मैच को जीत लेता है, तो वह भारत को पछाड़कर आईसीसी टी-20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज हो जाएगा। इस शृंखला की शुरुआत से पहले किसी ने भी नहीं सोचा था कि विश्व चैंपियन भारत को इस तरह के एकतरफा मुकाबले का सामना करना पड़ेगा। खुद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने स्वीकार किया है कि उन्हें भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ इतनी आसान सफलता की उम्मीद नहीं थी। अब भारत के सामने अपनी साख बचाने और आईसीसी रैंकिंग में अपना नंबर वन का स्थान सुरक्षित रखने की आखिरी चुनौती है। साउथम्प्टन में होने वाले अंतिम मुकाबले में भारतीय टीम को अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी। अगर भारतीय टीम यह मैच हारती है, तो न केवल शृंखला 4-0 से गंवाएगी बल्कि टी-20 की बादशाहत भी खो देगी।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब के लिए रखा नया कोचिंग स्टाफ

मैनचेस्टर (एजेंसी) ● इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी ने मैनेजर एन्जो मारेस्का के लिए नय कोचिंग स्टाफ रखा है। इसमें अर्जेंटीना दिग्गज गोलकीपर रहे विली कैबलेरो को भी शामिल किया गया है। अनुभवी कैबलेरो के आने से मारेस्का के लिए काम काफी आसान होगा। मारेस्का पिछले महीने ही मैनचेस्टर सिटी के नये मैनेजर बने थे। उनका करार क्लब के साथ तीन साल के लिए हैं। मारेस्का की कोचिंग टीम में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख चेहरों में रॉबर्टो विटिएलो, डैनी वॉकर, मिशेल डी बर्नार्डिन, मार्कोस अल्वारेज, डेनिस सिल्वा और जेवियर मोलिना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सेट-पीस कोच जेम्स फ्रेंच और गोलकीपिंग कोच रिचर्ड राइट अपने मौजूदा पदों पर बने रहेंगे, जो टीम में निरंतरता बनाए रखने में मदद करेगा। अर्जेंटीना के पूर्व अंतरराष्ट्रीय गोलकीपर विली कैबलेरो की वापसी क्लब के प्रशंसकों के लिए खुशी का कारण है। कैबलेरो ने साल उन्होंने 2014 से 2017 तक मैनचेस्टर सिटी के लिए 48 मुकाबले खेले थे और क्लब के लिए लीग कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे थे। विशेष रूप से, पेनल्टी शूटआउट में उनके शानदार बचावों को आज भी क्लब के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में याद किया जाता है। खिलाड़ी के रूप में क्लब छोड़ने के बाद, कैबलेरो ने मारेस्का के साथ लीसेस्टर सिटी और चेल्सी में कोचिंग स्टाफ में काम किया, जिससे यह वापसी दोनों के बीच मजबूत पेशेवर रिश्ते को दर्शाती है।

शिल्पा मंजूनाथ का फिटनेस को लेकर बदला नजरिया

मुंबई (एजेंसी) ● शिल्पा मंजूनाथ ने हाल ही में खुलासा किया है कि फिटनेस को लेकर उनका नजरिया पूरी तरह से बदल गया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वर्कआउट करते हुए एक प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट किया और इसके साथ अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने लिखा, हाल ही में फिटनेस को लेकर मेरा नजरिया बदला है। एक समय था जब मैं हफ्ते के सातों दिन जिम जाती थी, एक निश्चित रूटीन का पालन करती थी। अब मैं ऐसे दौर में हूं, जहां मैं एक्सपेरिमेंट करना चाहती हूं, मजे करना चाहती हूं और फिट रहते हुए इस सफर का आनंद लेना चाहती हूं। यह बदलाव उनके लिए एक व्यक्तिगत विकास को दर्शाता है, जहाँ अब फिटनेस केवल शारीरिक लक्ष्यों को प्राप्त करने से बढ़कर एक समग्र अनुभव बन गया है। शिल्पा ने आगे बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब अब सिर्फ वजन उठाना या वजन मशीन पर कोई नंबर देखना नहीं है। इसका मतलब है अपने शरीर को अलग-अलग तरीकों से मूव करना, नई चीजें आजमाना और एक्टिव रहने में खुशी ढूंढना है। शिल्पा का यह नया दृष्टिकोण शारीरिक गतिविधियों को अधिक आनंददायक और टिकाऊ बनाने पर केंद्रित है।

प्रियदर्शन की अगली फिल्म में अक्षय कुमार नजर आयेंगे

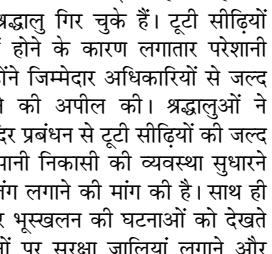

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता अक्षय कुमार का नाम इस वक्त निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म को लेकर चर्चा में बना है। इस साल आई भूत बंगला की सफलता के बाद अब प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने एक और नई मूवी के लिए हाथ मिलाया है, जिसका कनेक्शन 22 साल पुरानी एक कल्ट कॉमेडी फिल्म से बताया जा रहा है। प्रियदर्शन की अगली फिल्म में अक्षय कुमार अपने एक पॉपुलर किरदार को दोबारा से दोहराते हुए नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2004 में प्रदर्शित फिल्म मुझसे शादी करोगी में अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने चुलबुले पात्र सनी की भूमिका से दर्शकों को खूब हंसाया था। अब हाल ही में खबरें आईं कि वह फिल्मकार प्रियदर्शन के साथ नौंवी फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म का कनेक्शन मुझसे शादी करोगी फिल्म से भी जुड़ा होगा। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का शीर्षक विक्ड सनी होगा। जो फिल्म के नायक नाम पर आधारित होगा यानी मुझसे शादी करोगी फिल्म के बाद अक्षय एक बार फिर सनी नामक भूमिका निभाएंगे।

इंदौर के तीन पैरा ताइक्वांडो खिलाड़ी पुणे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिखाएंगी दम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंडिया ताइक्वांडो द्वारा आयोजित 5वीं पैरा राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2026-27 में इंदौर की बेटियां मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 10 से 11 जुलाई 2026 तक पुणे (महाराष्ट्र) के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, महालुंगे में खेली जा रही है। इस राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए इंदौर से तीन होनहार खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जो पूमसे वर्ग में मध्य प्रदेश की ओर से अपनी चुनौती पेश करेंगी। टीम के मुख्य कोच मिथिलेश कैमरे ने बताया कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए कड़ा अभ्यास किया है।

खिलाड़ियों का ट्रैक रिकॉर्ड

सपना शर्मा : चार बार की राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता हैं। वह विश्व ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

गुनिका शर्मा : पूर्व में आयोजित हुई राष्ट्रीय स्पर्धा में मध्य प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

नव्या कुकरेजा: उभरती हुई खिलाड़ी नव्या पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

यह चैंपियनशिप विश्व ताइक्वांडो, विश्व पैरा ताइक्वांडो और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के संयुक्त सहयोग से आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर से जूनियर एवं सीनियर वर्ग के शीर्ष पैरा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

मध्य प्रदेश टीम के कोच मिथिलेश कैमरे ने उम्मीद जताई है कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत रंग लाएगी और टीम पदक जीतकर इंदौर सहित पूरे प्रदेश का नाम रोशन करेगी।

उज्जैन संभाग

पुजारियों की जेब सिल दो...वाले बयान पर भड़का पुजारी महासंघ

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज और महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद जी महाराज के एक बयान से महाकाल मंदिर समेत अन्य मंदिरों के पुजारी नाराज हो गए हैं। दोनों संतों ने मंदिरों में दान की चोरी रोकने के लिए पुजारियों की जेब सिलने या बिना जेब वाली धोती-कुर्ता पहनकर मंदिर में प्रवेश देने जैसी बात कही थी। इस बयान पर अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसकी निंदा की है। गुरुवार को निरंजनी अखाड़े में संतों की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने मंदिरों में दान की चोरी के सवाल पर कहा- मैंने उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में व्यवस्था की है कि कोई भी पुजारी अपनी यूनिफॉर्म में जेब नहीं रखेगा। हमारे यहां पूजा की वेशभूषा धोती और कुर्ता है। अब कुर्ते में जेब नहीं होगी। हमारा प्रयास है कि मंदिर में आने वाला पूरा दान जनहित के कार्यों में लगे। जहां तक बगलामुखी मंदिर का सवाल है, वहां भी यदि जेब नहीं होगी तो दान जेब में रखने के बजाय दानपेटी में ही जाएगा।

चारधाम से जुड़े महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद जी महाराज ने कहा, 'यह इलेक्ट्रॉनिक युग है। कर्मचारियों और पुजारियों के लिए ड्रेस कोड होना चाहिए। प्रत्येक कर्मचारी और पुजारी को मेटल डिटेक्टर से जांच के बाद ही मंदिर में प्रवेश दिया जाए। बाहर निकलते समय भी उनकी पूरी तलाशी हो, तभी चोरी पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

इन बयानों के बाद उज्जैन के कई पुजारियों ने नाराजगी जताई। अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के अध्यक्ष महेश पुजारी ने कहा कि दोनों संतों की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी जानकारी नहीं है कि शैव मंदिरों में पुजारी कुर्ता नहीं पहनते। उन्होंने सवाल उठाया कि चोरी पुजारियों ने की है या ट्रस्टियों ने? बगलामुखी मंदिर मामले में आरोप कर्मचारियों पर लगे थे, लेकिन बेवजह पुजारियों को बदनाम किया जा रहा है। महेश पुजारी ने कहा कि अखाड़ा परिषद पहले अपने अखाड़ों की व्यवस्था देखे। रविंद्र पुरी जिस मनसा देवी ट्रस्ट का उदाहरण दे रहे हैं, वह एक निजी ट्रस्ट है। यदि वहां पुजारियों पर ऐसा आदेश लागू किया गया है तो उन्हें मंदिर छोड़ देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में भी इस तरह के बयान दिए गए तो पुजारी महासंघ रविंद्र पुरी महाराज का पुतला जलाकर विरोध करेगा।

माता टेकरी पर सीढ़ियां टूटीं, रेलिंग गायब

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● माता टेकरी स्थित छोटी माता मंदिर तक जाने वाली सीढ़ियां जर्जर हो गई हैं। कई जगह सीढ़ियां टूटी हुई हैं और रेलिंग नहीं होने से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में फिसलन बढ़ने से हादसों का खतरा भी बढ़ गया है। बारिश के कारण कई स्थानों पर सीढ़ियों पर पानी भर जाता है। ग्रेनाइट और मार्बल भी कई जगह से टूट चुके हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को चढ़ने और उतरने में दिक्कत होती है। रेलिंग नहीं होने से संतुलन बिगड़ने पर सहारा भी नहीं मिल पाता। एक श्रद्धालु सीढ़ियों से फिसलकर गिर गया। हादसे में उसके हाथ में चोट आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। उनका कहना है कि यदि सीढ़ियों के किनारे मजबूत रेलिंग होती, तो श्रद्धालु सुरक्षित तरीके से आ-जा सकते थे। छोटी माता मंदिर के पुजारी अशोक नाथ ने बताया कि बुधवार को एक भक्त उतरते समय फिसल गया, जिससे उसके हाथ में चोट आई। उन्होंने कहा कि पहले भी कई श्रद्धालु गिर चुके हैं। टूटी सीढ़ियों और रेलिंग नहीं होने के कारण लगातार परेशानी बनी हुई है। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों से जल्द व्यवस्था सुधारने की अपील की। श्रद्धालुओं ने प्रशासन और मंदिर प्रबंधन से टूटी सीढ़ियों की जल्द मरम्मत कराने, पानी निकासी की व्यवस्था सुधारने और मजबूत रेलिंग लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने पहाड़ी पर भूस्खलन की घटनाओं को देखते हुए जरूरी स्थानों पर सुरक्षा जालियां लगाने और सीढ़ी मार्ग को सुरक्षित बनाने की भी मांग की है।

पुल का हिस्सा पहली बारिश में बहा, कुछ माह पहले बना था

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● जिले में होशियारी और मकोडिया के बीच करीब 7 करोड़ रुपये की लागत से बना एक पुल पहली तेज बारिश में बह गया। लगभग तीन-चार माह पहले ही इसका निर्माण कार्य पूरा हुआ था, जिससे पुल की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह घटना गुरुवार को सामने आई, जब पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि करोड़ों की लागत से बना यह पुल पहली ही बारिश का दबाव नहीं झेल सका। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी नाराजगी है कि जिस पुल से वर्षों तक आवागमन की उम्मीद थी, वह इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त हो गया। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और संबंधित निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने और दोषी अधिकारियों व निर्माण एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

उज्जैन-जावरा फोरलेन का भूमिपूजन सीएम बोले-62 गांव सीधे जुड़ेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आए। उन्होंने 5,017 करोड़ रुपए से बनने वाली उज्जैन-जावरा फोरलेन शोल्डर ग्रीनफील्ड सड़क परियोजना का भूमिपूजन किया। इस दौरान केंद्रीय विद्यालय औपचारिक शुभारंभ किया गया। मुक्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल डॉ. थावरचंद गहलोत विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंच पर आने से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल डॉ. थावरचंद गहलोत ने मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस मौके पर रतलाम और उज्जैन जिले के सांसदों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने दोनों अतिथियों का जोरदार स्वागत किया। सीएम ने कहा कि यह 99 किलोमीटर लंबी उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन सड़क मालवा क्षेत्र के विकास में 'मील का पत्थर' साबित होगी। इस सड़क से क्षेत्र के करीब 62 गांव सीधे जुड़ेंगे, जिससे किसानों को अपनी फसल और उपज को बड़ी मंडियों तक ले जाने में बेहद आसानी होगी। इस आधुनिक मार्ग के बनने से क्षेत्र में उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को एक नई गति मिलेगी, जिससे आर्थिक प्रगति मजबूत होगी।

कर्नाटक के राज्यपाल डॉ. थावरचंद गहलोत भावुक नजर आए। उन्होंने अपनी पुरानी यादें साझा करते हुए कहा कि जब वे शाजापुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद थे, तब उन्होंने नागदा में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग उठाई थी। आज इतने सालों बाद इस केंद्रीय विद्यालय का शुभारंभ होना उनके लिए बेहद खुशी और संतोष की बात है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों और बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि इससे स्थानीय विद्यार्थियों को बेहतरीन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी।

बारिश के बाद खिल उठी शंकरगढ़ पहाड़ी

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● हाल ही में हुई बारिश के बाद शंकरगढ़ पहाड़ी का प्राकृतिक सौंदर्य चरम पर पहुंच गया है। पहाड़ी की चट्टानों से बहते छोटे-बड़े झरने और चारों ओर फैली हरियाली लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। मानसून के इस खूबसूरत नजारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं।

बारिश के बाद निखरा प्राकृतिक सौंदर्य

लगातार हुई बारिश से शंकरगढ़ पहाड़ी की चट्टानों से कई प्राकृतिक झरने बहने लगे हैं। हरियाली से ढकी पहाड़ी का दृश्य किसी हिल स्टेशन जैसा नजर आ रहा है। पर्यटक झरनों के बीच प्राकृतिक नजारों का आनंद लेने के साथ तस्वीरें और वीडियो भी बना रहे हैं।

मानसून में बढ़ी पर्यटकों की आवाजाही

शंकरगढ़ पहाड़ी देवास शहर के प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में शामिल है। मानसून के दौरान वर्षा का पानी चट्टानों से रिसकर झरनों का रूप ले लेता है, जिससे यहां की खूबसूरती और बढ़ जाती है। इसी वजह से इन दिनों यहां पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है।

सावधानी बरतने की सलाह

पूर्व सैनिक दिनेश चौहान ने बताया कि उनकी टीम रोजाना पहाड़ी पर जाती है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर सुंदर झरने बह रहे हैं, लेकिन बारिश के कारण चट्टानें फिसलन भरी हो गई हैं। ऐसे में पर्यटकों को प्राकृतिक

सौंदर्य का आनंद लेने के साथ पूरी सावधानी बरतनी चाहिए।

बारिश के बाद शंकरगढ़ पहाड़ी का मनमोहक रूप देवास के लोगों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। हालांकि, मानसून के मौसम में सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ही इस प्राकृतिक स्थल की सैर करना बेहतर रहेगा।

फिर सामने आए प्रदेश कांग्रेस के दिग्गजों के बीच असहमति के सुर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने शुक्रवार 10 जुलाई को इंदौर में प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें राम मंदिर दानराशि घोटाले का मुद्दा अहम था। लेकिन बात उनके और दिग्विजय सिंह के संबंधों और जीतू और दिग्गी के संबंधों तक भी गई। नाना का ड्रग केस भी उठा। मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने राम मंदिर ट्रस्ट में हुए दान राशि घोटाले पर सीधे पीएम नरेंद्र मोदी और पीएमओ को घेरा। चौधरी ने कहा कि यह धार्मिक ट्रस्ट बनाने के आदेश सुप्रीम कोर्ट से हुए थे, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी ने इसमें अपने लोगों की नियुक्ति की।

हरीश चौधरी ने कहा कि इसमें शंकराचार्य या किसी अखाड़े के उस व्यक्ति को नहीं लिया गया, जो हमारी सनातनी व्यवस्था के अंतर्गत आते हैं। अब पीएम इस मुद्दे पर चुप हैं, जबकि ट्रस्ट गठन, शिलान्यास, उद्घाटन से लेकर सभी काम उनके द्वारा ही हुए। चौधरी ने आगे कहा कि जहां मौका मिल रहा है, वहां धर्मस्थलों को लूटा जा रहा है। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान शहराध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े व प्रवक्ता अमित चौरसिया भी उपस्थित थे। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह द्वारा उज्जैन से अयोध्या तक की जा रही यात्रा में शामिल होने पर चौधरी ने कहा कि यह उनकी निजी यात्रा है। यह गैर-राजनीतिक है। मेरे लिए हर निजी कार्यक्रम में जा पाना संभव नहीं है।

उज्जैन ट्रस्ट पर जीतू सही, दिग्गी के विचार निजी

हरीश चौधरी ने दिग्गी और जीतू पटवारी के संबंधों को अच्छा बताया। साथ ही कहा कि उनके और दिग्विजय सिंह के भी संबंध अच्छे हैं और तनातनी जैसी कोई बात नहीं है। बता दें कि हाल ही में भोपाल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कुर्सी बदलने पर उन्होंने कहा कि खाली कुर्सी थी तो बैठ गया, विवाद जैसा कुछ नहीं है। वहीं उज्जैन ट्रस्ट घोटाले के आरोपों पर चौधरी ने कहा कि इसमें जीतू पटवारी द्वारा लगाए गए आरोप कांग्रेस का अधिकृत बयान हैं। जो दिग्विजय सिंह ने उज्जैन में जाकर कहा, वह उनके निजी विचार हैं। वह पार्टी का अधिकृत बयान नहीं है और कोई भी अपने निजी विचार रख सकता है।

नाना पटवारी ड्रग केस पर यह बोले - वहीं जीतू के भाई नाना पटवारी के ड्रग केस को लेकर उन्होंने कहा कि पुलिस ने कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के परिवार को घेरा है। उन पर अवैध निर्माण और वेयरहाउस तक को लेकर नोटिस पर नोटिस दिए जा रहे हैं। हम ड्रग के खिलाफ हैं और नाना से केवल पूछताछ की गई, उन्हें हिरासत में नहीं लिया गया।

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में गए राकेश यादव के आरोपों पर चौधरी ने कहा कि उन्होंने जो मुझ पर व कांग्रेस पर आरोप लगाए, वह प्रायोजित थे। उनके बीजेपी में जाने से यह साबित हो गया कि यह बीजेपी द्वारा ही प्रायोजित आरोप थे।

जिस हास्पिटल को बताया बंद उसमें चल रहा इलाज, हाईकोर्ट को किया गुमराह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी पर 31 अवैध अस्पतालों के मामले में हाई कोर्ट को गलत जानकारी देने का आरोप है। स्वास्थ्य विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र जारी किया है। इंदौर के मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव हासानी पर फर्जी अनुमति से संचालित अस्पतालों के मुद्दे पर हाईकोर्ट में गलत जानकारी देने के आरोप लगे हैं। यह मामला 31 अस्पतालों का है जो बिना बिल्डिंग मंजूरी, फायर एनओसी आदि की शिकायतें हैं। इसी मामले में जानकारी नहीं देने के चलते स्वास्थ्य विभाग ने डॉ. हसानी पर कार्रवाई के लिए विभाग स्तर पर भी पत्र भेजा है।

गुरुवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अभिभाषक चर्चित शास्त्री ने अपनी बात रखी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि सीएमएचओ जिन अस्पतालों को सील बता रहे हैं, वहीं उन्होंने अपना इलाज कराया है। शास्त्री ने कहा कि उनके पास उपचार से जुड़ी रसीद और अन्य दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने ये सभी दस्तावेज कोर्ट में पेश किए। याचिकाकर्ता ने कोर्ट में नगर निगम के शपथ पत्र पर अपर आयुक्त के हस्ताक्षर वाले फर्जी भवन अनुमति प्रमाण पत्र भी कोर्ट में पेश किए गए।

स्वास्थ्य विभाग ने 600 पन्नों का दिया जवाब

हाईकोर्ट में स्वास्थ्य विभाग की ओर से 600 पन्नों का जवाब पेश किया गया है। इसमें डॉ. हसानी ने अस्पतालों की जांच रिपोर्ट पेश की है। जिसमें एक विनायक पैथोलाजी लेब व लेडी हलीमा नामक अस्?पताल को सील करने का आदेश और कार्रवाई के दस्तावेज भी लगाए गए हैं। हलांकि याचिकाकर्ता ने बताया कि अस्पताल अभी भी काम कर रहे हैं। शास्त्री ने कोर्ट को इस पैथोलाजी लेब में कराए गई खून की जांच के दस्तावेजों के साथ ही अस्पताल में इलाज की पर्ची भी कोर्ट के समक्ष रखी। याचिकाकर्ता ने कहा कि डॉ. हसानी ने गलत जानकारी देकर कोर्ट को गुमराह किया।

कलेक्टोरेट का बाबू आईएएस से सीआर लिखवाने फ्लाइट से गया रीवा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर कलेक्टोरेट का एक सहायक ग्रेड बाबू शुक्रवार को ताबड़तोड़ अपनी सीआर (गोपनीय चरित्रावली) लिखवाने के लिए फ्लाइट से रीवा गया। यह है पूरी कहानी। इंदौर कलेक्टोरेट में जो हो जाए कम है। यहां के कई पटवारी करोड़पति है और वह अक्सर फ्लाइट से विदेश जाते हैं। हाल ही में खुड़ैल का एक पटवारी की जांच में यह सामने आ चुका है। अब एक बाबू कलेक्टोरेट से रीवा फ्लाइट से गोपनीय चरित्रावली लिखवाने चला गया।

यह बाबू है देपालपुर तहसील में पदस्थ सहायक ग्रेड बाबू लोकेश लववंशी। दरअसल कलेक्टोरेट के ग्रुप में गुरुवार को संदेश डाला गया। इसमें था कि सभी तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि सभी नियुक्ति आदेश, पोदन्नति आदेश आदि की पीडीएफ बनाकर दें। इसमें सीआर आदि भी लगेगी।

इसके बादबाबूमें सीआर को उत्कृष्ट करवाने के लिए बाबू लोववंशी को रीवा जाना पड़ा। कारण था कि वह महू तहसील में दस साल पदस्थ रहा है और साल 2019 बैच के आईएएस अक्षत जैन जो अभी रीवा निगमायुक्त है, वह महू में एसडीएम रहे हैं।

सीआर के लिए उनकी साइन की जरूरत थी। इसके लिए लोववंशी ने शुक्रवार को रीवा की फ्लाइट पकड़ी और जैन से उत्कृष्ट सीआर करा ली।

अब तत्कालीन कलेक्टर की साइन अटकी-लेकिन अब लोववंशी को पेंच फंस गया कि उसे तत्कालीन इंदौर कलेक्टर और अभी जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह की भी साइन चाहिए। लेकिन रीवा से भोपाल का सीधा कोई यात्रा साधन नहीं मिल रहा है। वहीं शनिवार और रविवार को अवकाश है। ऐसे में अभी सीआर पूरी नहीं भर पाई है।

क्या बोल रहे बाबू-बाबू ने जवाब दिया कि हां पदोन्नति का मामला है और मेरी सीआर पर साइन जरूरी थे और केवल शुक्रवार ही मिला था इसलिए सुबह फ्लाइट से रीवा आ गया था। अब भोपाल जाना है।

लवकुश चौराहे पर बने डबल डेकर ब्रिज का लोड टेस्ट सफल, जल्द दौड़ सकेंगे वाहन

प्राधिकरण योजनाओं की जमीनों का नामांतरण भी करेगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के बहुप्रतीक्षित लवकुश चौराहा डबल डेकर ब्रिज को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। लगभग 175 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस महत्वाकांक्षी परियोजना की 48 घंटे तक चली लोड टेस्टिंग सफल रही है। हालांकि ब्रिज को यातायात के लिए खोलने से पहले तकनीकी विशेषज्ञों की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट मिलने के बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी और संभावना है कि अगले दो तीन महीनों के भीतर ब्रिज की कम से कम एक लेन पर वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी जाएगी।

400 टन के वजन से किया परीक्षण-लोड टेस्टिंग के दौरान ब्रिज की मजबूती और संरचनात्मक क्षमता का आकलन करने के लिए 25-25 टन वजन वाले 16 डम्परों को एक साथ खड़ा किया गया। इस तरह ब्रिज पर करीब 400 टन भार डालकर विभिन्न तकनीकी मानकों पर परीक्षण किया गया। इंजीनियरों ने अलग-अलग स्थानों पर रीडिंग लेकर ब्रिज की प्रतिक्रिया का विश्लेषण किया। प्रारंभिक जांच में परिणाम संतोषजनक मिले हैं, लेकिन सभी आंकड़ों के अध्ययन के बाद ही अंतिम तकनीकी रिपोर्ट जारी होगी। यह परियोजना पिछले वर्ष के अंत तक पूरी होकर शुरू होने की उम्मीद थी, लेकिन विभिन्न तकनीकी और निर्माण संबंधी कारणों से इसमें देरी हुई। दूसरी ओर प्राधिकरण ने अपनी विभिन्न आवासीय एवं विकास योजनाओं में शामिल जमीनों के नामांतरण की प्रक्रिया भी तेज कर दी है।

सर्विस रोड भी दुरुस्त करेगा प्राधिकरण

इधर, ब्रिज के नीचे स्थित सर्विस रोड की बदहाल स्थिति को देखते हुए प्राधिकरण ने करीब 13 करोड़ रुपए की लागत से सीमेंटेड सड़क का निर्माण शुरू कर दिया है। निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित किया गया है। फिलहाल गड्ढों और निर्माण गतिविधियों के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन काम पूरा होने के बाद इस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था पहले से अधिक सुगम होने की उम्मीद है।

कैंपस में आवारा कुत्तों को रोकने नोडल अधिकारी नियुक्त करने के तुगलकी आदेश से प्रोफेसरों में नाराजगी

यूजीसी का अजीब आदेश : अब कुत्ते भगाएंगे कॉलेज प्राचार्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कॉलेजों में अब प्राचार्य सिर्फ पढ़ाई और प्रशासनिक काम ही नहीं देखेंगे, बल्कि कैंपस में आवारा कुत्तों की निगरानी की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए आदेश के बाद उच्च शिक्षण संस्थानों में यह चर्चा का विषय बन गया है। यूजीसी ने देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि परिसर में आवारा कुत्तों की रोकथाम के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं और इसकी जानकारी आयोग को भेजी जाए।

निर्देशों के अनुसार प्रत्येक संस्थान को नोडल अधिकारी का नाम मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित करना होगा। साथ ही संबंधित नगर निकाय और प्राधिकरण को भी इसकी सूचना देनी होगी। स्टेडियम और खेल परिसरों में आवारा कुत्तों की आवाजाही रोकने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था करने को भी कहा गया है। आदेश को लेकर प्राध्यापक वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। उनका कहना है कि पहले से ही शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का दबाव है, ऐसे में कुत्तों की निगरानी जैसी जिम्मेदारी देना व्यावहारिक नहीं है। उनका तर्क है कि यह काम नगर निगम या स्थानीय प्रशासन की एजेंसियों को करना चाहिए।

उच्च शिक्षा विभाग के ओएसडी डॉ. राकेश श्रीवास्तव का कहना है कि प्राचार्य स्वयं कुत्ते नहीं भगाएंगे, बल्कि नोडल अधिकारी के रूप में व्यवस्था की निगरानी करेंगे। उपलब्ध संसाधनों और स्टाफ की मदद से कैंपस में सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

यूजीसी ने छात्रों और कर्मचारियों को कुत्तों से बचाव, प्राथमिक उपचार और रिपोर्टिंग प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए हैं।

फर्जी नामांतरण घोटाले से जुड़ी रजिस्ट्रियों पर लगेगी रोक

नगर निगम ने रजिस्ट्रार कार्यालय को लिखा पत्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम के राजस्व विभाग में हुए फर्जी नामांतरण घोटाले के मामले में नगर निगम ने रजिस्ट्रार कार्यालय को पत्र लिखकर 354 नामांतरणों की सूची सौंपी है। इन नामांतरणों के आधार पर हाल ही में जिन संपत्तियों की रजिस्ट्रियां हुई हैं, उन्हें संदिग्ध श्रेणी में रखने और उन पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं करने का अनुरोध वरिष्ठ जिला पंजीयक से किया गया है। इसका उद्देश्य घोटाले के आरोपियों को अपने मंसूबों में सफल होने से रोकना और किसी भी व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी होने से बचाना है। बताया जा रहा है कि फर्जी नामांतरण होते ही घोटालेबाजों ने संबंधित संपत्तियों की बिक्री शुरू कर दी थी।

निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने ई-नगर पालिका पोर्टल से उन कम्प्यूटरों के आईपी एड्रेस मांगे थे, जिनके माध्यम से फर्जी नामांतरण किए गए। इसके बाद भोपाल से 8 कम्प्यूटरों के आईपी एड्रेस प्राप्त हुए हैं, जिनसे एक ही रात में इस पूरे घोटाले को अंजाम दिया गया।

एक ही रात में हुआ फर्जीवाड़ा - अपर आयुक्त आकाश सिंह ने बताया कि नामांतरण के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी न हो, इसलिए रजिस्ट्रार कार्यालय को 354 नामों की सूची उपलब्ध कराई गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फर्जी नामांतरण के बाद कई संपत्तियों की रजिस्ट्रियां भी कराई गई थीं।

रजिस्ट्रियों पर रहेगी निगरानी

मामले में राजस्व विभाग के अपर आयुक्त आकाश सिंह ने बताया कि 354 नामांतरणों की सूची वरिष्ठ जिला पंजीयक को भेज दी गई है। पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया है कि यदि इन 354 संपत्तियों में से किसी के संबंध में कोई व्यक्ति रजिस्ट्री या अन्य लेन-देन के लिए आवेदन प्रस्तुत करता है, तो उस पर फिलहाल कोई कार्रवाई न की जाए।

सूत्रों के अनुसार, उपयुक्त एस.के. सगर और प्रदीप जैन की आईडी का उपयोग कर एक ही रात में फर्जी नामांतरण किए गए।

दो दिन पहले ब्राउन शुगर खरीदने के इनपुट मिले, बेंगलुरू में नहीं भोपल में ही था नाना पटवारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ड्रग्स तस्करी मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को शनिवार को फिर बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस जारी किया गया है। शुक्रवार को नाना पटवारी ने कैमरों के सामने ड्रग्स सेवन करने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस का दावा है कि उसके पास पुख्ता साक्ष्य हैं, जो नाना के दावों की पोल खोल सकते हैं। नाना ने खुद को बेंगलुरु से लौटकर आने की बात कही थी, लेकिन जांच में संकेत मिले हैं कि वह भोपाल और इंदौर में ही मौजूद थे, पुलिस की जांच जारी है।

सट्टेबाजों से कनेक्शन की भी हो रही जांच-जांच एजेंसियों को आईपीएल क्रिकेट सट्टे से जुड़े कुछ बड़े नामों के साथ भी नाना पटवारी के संभावित संपर्कों की जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक गोलू, संजय कौशल और मनीष नामक सटोरियों से लिंक की पड़ताल की जा रही है। पुलिस को कुछ ऐसे साक्ष्य भी मिले हैं, जिनमें सट्टे के लेन-देन से जुड़ी जानकारी सामने आई है। सामने आया कि नाना कथित तौर पर मनीष नाम के सटोरिये से आईडी लेकर सट्टा खेलते थे। पुलिस सत्यापन कर रही है।

दो दिन पहले ही खरीदी थी ब्राउन शुगर : शुक्रवार को नाना ने दावा किया कि उन्होंने वर्षों से ड्रग्स को हाथ तक नहीं लगाया।

पायल नाम की युवती का नाम भी जांच में आया

सूत्रों के अनुसार, पुलिस को मिले डिजिटल साक्ष्यों में पायल नाम की एक युवती का नाम सामने आया है। शुक्रवार को उसे पूछताछ के लिए राजेंद्र नगर थाने बुलाया गया। हालांकि, पायल का कहना है कि उसका नाना पटवारी से केवल एक प्लॉट के लेन-देन का विवाद था और उसी सिलसिले में वह लगातार संपर्क कर रही थी। पुलिस फिलहाल उसके बयान से पूरी तरह संतुष्ट नहीं है। सूत्रों का दावा है कि इस पूरे प्रकरण में 19 से अधिक लोगों से पूछताछ की तैयारी है और उनकी सूची तैयार कर ली गई है।

कार्यवाहक पर डिमोशन की तलवार

15 हजार पुलिसकर्मियों में बढ़ी चिंता, एसीआर खराब, सजा मिली तो उतरेगी स्टार वाली वर्दी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में पिछले पांच साल से कार्यवाहक पदोन्नति पर उच्च पदों पर काम कर रहे करीब 15 हजार पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के सामने अब मूल पद पर लौटने का खतरा खड़ा हो गया है। मप्र पदोन्नति नियम-2025 लागू होने के बाद डीपीसी शुरू हो गई है। पात्र नहीं पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का कार्यवाहक प्रभार समाप्त कर उन्हें मूल पद पर भेजा जाएगा। इसे लेकर पुलिस महकमे में असंतोष बढ़ने लगा है। प्रदेश में वर्ष 2016 से नियमित पदोन्नतियां बंद थीं। इसके चलते 2021 से पुलिस मुख्यालय ने आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक कार्यवाहक पदोन्नति दी। वर्तमान में आरक्षक से लेकर डीएसपी स्तर तक हजारों पुलिसकर्मी उच्च पद की रैंक और वर्दी के साथ कार्यरत हैं। नियमित पदोन्नति से पहले पिछले 5 साल की एसीआर, विभागीय दंड, निलंबन और न्यायालय में लंबित प्रकरणों की जांच हो रही है। सूत्रों के मुताबिक- करीब एक हजार अधिकारी-कर्मचारी अपात्र हो सकते हैं।

पांढुर्णा से शुरुआत: पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाहक प्रधान आरक्षक के रूप में पदस्थ 32 पुलिसकर्मियों का प्रभार समाप्त कर उन्हें मूल पद आरक्षक पर पदस्थ करने के आदेश जारी किए हैं। इसे कार्यवाहक पदोन्नति वापस लेने की पहली बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। प्रदेश में वर्षों बाद शुरू हुई पदोन्नति प्रक्रिया के बीच कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। अब मप्र सिविल सेवा नियम-1966 के नियम-16 के तहत जारी सामान्य कारण बताओ नोटिस या छोटी अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रमोशन में बाधा नहीं बनेगी।

ना बैंड-बाजा, ना दिखावा, ना बाराती, पौधे लगाकर हुई शादी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के व्यवसायी और समाजसेवी अक्षय जैन ने अपने पुत्र पार्थ जैन के 12 जुलाई को होने वाले विवाह समारोह को सादगी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला आयोजन बनाया है। उन्होंने शादी को सीमित और पारिवारिक स्वरूप देने का फैसला किया है। समारोह में केवल दोनों परिवारों के करीबी रिश्तेदार और परिजन शामिल होंगे। जैन परिवार ने सभी मेहमानों से अनुरोध किया है कि वे शादी में कोई उपहार, लिफाफा या भेंट लेकर न आएं। परिवार का कहना है कि नवदंपती के लिए सबसे बड़ा उपहार बड़ों का आशीर्वाद और अपनों का स्नेह है।

मेहमानों से यह भी अपील की गई है कि वे नवदंपती को आशीर्वाद स्वरूप अपने घर, आंगन या आसपास कम से कम एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल का संकल्प लें। परिवार का मानना है कि हर शुभ अवसर को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

■ **प्रधानमंत्री के संदेश से मिली प्रेरणा :** अक्षय जैन ने बताया कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सादगी और मितव्ययता के संदेश से प्रेरित होकर लिया गया है। शादी में किसी तरह का दिखावा या फिजूलखर्ची नहीं होगी। सभी धार्मिक रस्में जैन परंपरा के अनुसार नवकार महामंत्र और मंगलाचरण के बीच संपन्न होंगी।

■ **दिन में होंगे सभी कार्यक्रम :** जैन धर्म की परंपराओं के अनुसार विवाह में कोई भी रात्रिकालीन कार्यक्रम नहीं रखा गया है। सभी आयोजन दिन में होंगे। मेहमानों के लिए जमीकंद रहित सात्विक भोजन की व्यवस्था की गई है।

■ **समाज के लिए बना उदाहरण :** सामाजिकजनों का कहना है कि ऐसे दौर में जब शादियां खर्च और दिखावे का माध्यम बनती जा रही हैं, अक्षय जैन परिवार की यह पहल समाज को नई दिशा देती है। यह आयोजन सादगी, संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला उदाहरण बन गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।